दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली, बुधवार 27 मार्च, 2024 ● वर्ष :8 अंक : 166, पेज: 08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

बसपा ने उत्तराखंड की पांच सीटों के लिए घोषित किए उम्मीदवार

देहरादून। उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों के लिए मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी ने प्रत्याशियों का एलान कर दिया है। पांच सीटों पर बसपा ने अपने उम्मीदारों का एलान कर दिया। हरिद्वार से जमील अहमद को टिकट दिया गया है।

टिहरी गढ़वाल से नीम चंद छुरियाल, पौढ़ी गढ़वाल से धीर सिंह बिष्ट, अल्मोड़ा से नारायण दास, नैनीताल-ऊधम सिंह नगर सीट से अख्तर अली माहीगिर और हरिद्वार से जमील अहमद को टिकट दिया गया है।

अतुल गर्ग के चुनाव को धार देने के लिए आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे गाजियाबाद

प्रबुद्ध वर्ग को देकर जाएंगे बड़ा संदेश

दोपहर दो बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक एवं लोकसभा के उम्मीदवार अतुल गर्ग के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर चल रहे हैं। एक ओर जहां उनका वैश्य समीकरण पर जनरल वीके सिंह के स्थान पर लोकसभा का टिकट हुआ है, वहीं टिकट होने के तीन दिन बाद ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके क्षेत्र में पहला कार्यक्रम कर बड़े संदेश दे दिए हैं। मुख्यमंत्री आज गाजियाबाद आ रहे हैं। चुनावी दृष्टि से वह आज गाजियाबाद आकर प्रबुद्ध वर्ग के मतदाताओं के बीच में अतुल गर्ग के पक्ष में माहौल बनाने का कार्य करेंगे। नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री आज दोपहर दो बजे डॉक्टरी, वकील, इंजीनियर एवं विभिन्न पेशों से जुड़े प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम अतुल गर्ग के लिए बड़ा संदेश लेकर आया है। खास तौर पर मुख्यमंत्री के आगमन को एक सधी हुई राजनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है, जिससे प्रबुद्ध वर्ग के साथ-साथ क्षत्रिय समाज में बड़ा संदेश दिया जा सके।

अतुल गर्ग जुटे तैयारियों में, संजीव शर्मा ने बनाई रणनीति

करंट क्राइम। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रबुद्ध सम्मेलन को लेकर पूरी तरह एक्टिव मोड में आ गए हैं। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के साथ उन्होंने जहां संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आज होने जा रहे आयोजन को सफल कराने के लिए तमाम तरह की बैठकें की हैं। वहीं अतुल गर्ग ने ज्यादा से ज्यादा प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में शामिल हों। आज होने वाले आयोजन में मुख्यमंत्री लोकसभा उम्मीदवार अतुल गर्ग के लिए क्या संदेश देकर जाते हैं, क्या माहौल बनाकर जाते हैं, इस पर भी सबकी निगाहें रहेंगी।

कांग्रेस खेल सकती है भगवा गढ़ में ठाकुर कार्ड

नदिया पार का समाजवादी हो सकता है कांग्रेस से उम्मीदवार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव में सीट कांग्रेस के पास है। अभी घोषणा नही हुई है लेकिन सूत्र बताते हैं कि कहानी में मोड़ आ गया है। तीसरे दल वाले डॉक्टर साहब की दावेदारी का पारा शून्य हो रहा है और यहां गाजियाबाद फॉर्मूला लागू हो सकता है। कांग्रेस अपना उम्मीदवार तो लड़ाएगी लेकिन वो ये उम्मीदवार सपा से लाएगी। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस यहां राजपूत कार्ड खेल सकती है। उसका उम्मीदवार नदिया पार से आयेगा। बड़ी बात ये है कि ये समाजवादी असल में पुराना कांग्रेसी है। नूदल के नाम से जाने जाने वाले चौहान की राजनीतिक पारी की शुरुआत कांग्रेस में एनएसयूआई से हुई थी। इस नाम को मजबूत दावेदार बताया जा रहा है और यह कहा जा रहा है कि यहां इस कार्ड के जरिए कांग्रेस चुनाव में मजबूती लाना चाहती है। इसके पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि इस बार चुकी भाजपा के पास ठाकुर उम्मीदवार नहीं है लिहाजा यहां कांग्रेस के इस फैक्टर का असर पड़ेगा कांग्रेस यहां मजबूत खिलाड़ी के रूप में आएगी। बहरहाल आज दिल्ली में इस कार्ड को लेकर चर्चा होगी और यह उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार कांग्रेस यहां ठाकुर कार्ड खेलने जा रही है और उसका यह नाम नदिया पार से आने वाला है।

हाथी का महावत आयेगा ठाकुर समाज से

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा के उम्मीदवार घोषित करने के बाद गाजियाबाद की विपक्षी कहानी में ट्विस्ट आ गया है। अभी तक कांग्रेस और सपा अपना उम्मीदवार या दावेदार नहीं बता रही थी वहीं बीएसपी ने भी अपने दावेदार का नाम नहीं बताया था। लेकिन सूत्र बताते हैं कि अब बसपा का हाथी भी ठाकुर कार्ड लेकर आ रहा है बसपा का महत ठाकुर समाज से होगा और यहां बसपा मेयर चुनाव में कांग्रेस से ज्यादा वोट लेकर आई थी। कांग्रेस और बसपा की ठाकुर स्टोरी में एक बड़ा ट्वीट यह भी है कि यहां अब गठबंधन उम्मीदवार को मुस्लिम वोटो का सहारा रहेगा मुस्लिम वोट जिस तरफ जाएंगे उसे तरफ की कहानी मजबूत होगी बहरहाल अभी बसपा को अपना उम्मीदवार घोषित करना है और माना यही जा रहा है कि बसपा यहां ठाकुर कार्ड खेलने जा रही है।

पड़ोस वाली लोकसभा से पूर्व विधायक हो सकते हैं गठबंधन उम्मीदवार

पड़ोस वाली लोकसभा में फिर से परिवर्तन का दौर आएगा और यहां जो नाम घोषित हुआ है वह नहीं बल्कि नाम कोई और ही आएगा। गाजियाबाद से सटी इस लोकसभा में एक पूर्व विधायक का नाम गठबंधन लोकसभा उम्मीदवार के रूप में आ सकता है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दावेदारी की बेला अब उम्मीदवारी में बदलने जा रही है चुनावी अधिसूचना जारी हो चुकी है और अब लगभग सभी राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। ऐसे में एक नया मोड़ पड़ोस वाली लोकसभा में भी आ गया है। सूत्र बताते हैं कि पड़ोस वाली लोकसभा में फिर से परिवर्तन का दौर आएगा और यहां जो नाम घोषित हुआ है वह नहीं बल्कि नाम कोई और ही आएगा। गाजियाबाद से सटी इस लोकसभा में एक पूर्व विधायक का नाम गठबंधन लोकसभा उम्मीदवार के रूप में आ सकता है। सूत्र बताते हैं कि इस लोकसभा में गठबंधन उम्मीदवार की घोषणा पहले हो गई थी लेकिन अब कहानी में रोचक मोड़ आ गया है। सूत्र बता रहे हैं कि अब यहां मैदान का खिलाड़ी बदल जाएगा यहां से एक पूर्व विधायक लोकसभा गठबंधन उम्मीदवार के रूप में सामने आएंगे। जिन पूर्व विधायक के नाम को लेकर चर्चा चल रही है वह चुनाव के मजबूत खिलाड़ी माने जाते हैं कई चुनाव लड़ने का उन्हें अनुभव प्राप्त है। सबसे बड़ी बात यह बताई जाती है कि पड़ोस वाले जिले से आने वाले पूर्व विधायक पड़ोस वाली लोकसभा में अपनी एक अच्छी खासी दखल रखते हैं और वह यहां गठबंधन उम्मीदवार के रूप में मजबूत खिलाड़ी बताये जा रहे हैं। राजनीतिक जानकार यह मान रहे हैं कि अगर यहां गठबंधन ने अपना नया उम्मीदवार उतारा तो यहां चुनाव का नक्शा काफी हद तक बदल जाएगा। यहां चुनावी मुकाबला रोचक होने के आसार बताए जाते हैं कहने वाले कह रहे हैं कि आने वाले 48 घंटे के भीतर यह सीन स्पष्ट हो जाएगा की कौन इस लोकसभा से गठबंधन उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने आएगा।

होली पर नहीं हुआ कहीं बड़ा बवाल पुलिसकर्मियों ने भी खेली उल्लास के साथ होली

पुलिस लाइन, थानों और चौकियों पर जमकर उड़ा रंग और गुलाब

एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी जी होली खेलते हुए !

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में होली का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया, तो वहीं होली वाले दिन शहर में कोई बड़ा सड़क हादसा और कानून व्यवस्था की स्थिति देखने को नहीं मिली। कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले सिटी ,ट्रांस हिंडन और ग्रामीण ज़ोन में डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारी होली के त्यौहार के मद्देनजर भ्रमणशील रहे । तो वहीं मंगलवार को पुलिस की होली का भी आयोजन कई जगह किया गया । पुलिस लाइन में जहां सुबह होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, तो वहीं कमिश्नरेट के थानों और चौकियों में भी जमकर रंग और गुलाल उड़ाया गया।

थानों में खूब खेली गई होली

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत भले पुलिस लाइन में कुछ बड़े अधिकारी न पहुंचे हो लेकिन थानों में होली का रंग देखने को मिला। डीजे की धुन और पानी की बौछारों के बीच पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे को खूब रंग लगाया और जमकर डांस भी किया। इस दौरान कई थानों में वीडियो वायरल होने का डर भी देखने को मिला। कहीं होली चोरी छिपे खेली गई तो कहीं खुल्लम खुल्ला होली का हुड़दंग भी देखा गया।

पिंक बूथ पर भी दिखा होली का रंग

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में महिलाओं की सुरक्षा और उनको त्वरित न्याय दिलाने के लिए संचालित किए गए पिंक बूथ पर भी पुलिस की होली का रंग देखने को मिला। कई पुलिसकर्मियों की व्हाट्सएप की प्रोफाइल फोटो होली के त्यौहार का नजारा प्रस्तुत कर रही थीं। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में खाकी वालों ने भी होली का त्योहार पूरी मस्ती के साथ मनाया।

518 क्रिटिकल बूथ बढ़ाएंगे कमिश्नरेट पुलिस की चुनावी टेंशन

धौलाना में 171 और साहिबाबाद में 109 बूथ हैं क्रिटिकल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद लोकसभा सीट का 26 अप्रैल को मतदान होना है। मतदान से पहले 28 मार्च से चुनावी तैयारी और मतदान सकुशल संपन्न करने का कार्यक्रम शुरू हो गया है। चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती रह सकता है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाली पांच अलग-अलग विधानसभाओं में कुल 518 क्रिटिकल मतदेय स्थल हैं। जहां पुलिस को अतिरिक्त फोर्स के साथ-साथ सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त करने हैं। प्रशासन द्वारा जो जानकारी मुहैया कराई गई है उसके अनुसार धौलाना विधानसभा 58 में सर्वाधिक 171 क्रिटिकल बूथ मौजूद हैं। तो वहीं एशिया की सबसे बड़ी विधानसभा कहीं जाने वाली 55 साहिबाबाद में 109 क्रिटिकल बूथ हैं। यहां पर पुलिस को सुरक्षा का अलग से प्लान बनाना हैं।

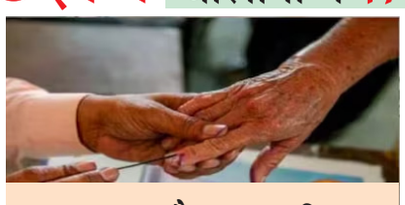

मुरादनगर और शहर सीट पर भी रखनी होगी सतर्कता

करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपर्क कराने के लिए जहां गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अर्ध सैनिक बलों की भी मांग की गई है। तो वही प्रशासन की ओर से भी कई तरीके की सूचियां तैयार कराई गई हैं। जानकारी के अनुसार 54 मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में 71 क्रिटिकल बूथ, तो वही गाजियाबाद शहर सीट 56 पर 72 क्रिटिकल बूथ हैं। इसी के साथ लोनी में भी 95 क्रिटिकल बूथ हैं, जहां पर पुलिस सुरक्षा का त्रिस्तरीय घेरा रखेगी।

हर बूथ पर रहेंगे अर्ध सैनिक बल पुलिस

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने और किसी भी क्रिटिकल बूथ पर कोई गड़बड़ी न हो इसको लेकर चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रत्येक क्रिटिकल बूथ पर बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों को लगाया जाएगा ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग की ओर से जारी दिशा निर्देश का पालन करवाया जाएगा।

कल्पना सक्सेना,
एडिशनल सीपी सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद

केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का कहना है कि वे शराब घोटाले से ध्यान भटकाना चाहते हैं, वे कहते रहते हैं कि उन्हें (जेल से) आदेश मिल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ईडी की हिरासत में ड्रामा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने एलजी और ईडी निदेशक को लिखित शिकायत दी है कि उन्होंने जो झूठा पत्र पेश किया है, उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। जिस तरह से गैंगस्टर और जबरन वसूली करने वाले जेल से गिरोह संचालित करते हैं, वे सीएम कार्यालय को संचालित करना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल जैसा भ्रष्ट व्यक्ति सीएम नहीं बन सकता। उन्हें इस्तीफा देना होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. हर्षवधन ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। ऐसे में उन्हें नैतिक रूप से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह उनकी अपनी जिम्मेदारी है। बीजेपी सांसद हर्ष वर्धन आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं, इससे पता चलता है कि वह लालची हैं और अपनी असुरक्षा के कारण अपनी कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते हैं।

'आप' को नहीं दी पीएम आवास पर घेराव की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री आवास का घेराव करेगी। विशेष कानून एवं व्यवस्था व्यवस्था के मद्देनजर राजधानी में यातायात प्रभावित रहेगा। पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। घर से निकले से पहले पढ़ लें। नई दिल्ली में आज यातायात प्रभावित रह सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि तुगलक रोड, सफदरजंग रोड और केमल अतातुर्क मार्ग पर किसी भी वाहन को कहीं भी रुकने या पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आप को नहीं मिली प्रदर्शन की इजाजत : दिल्ली पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने आप के प्रदर्शन पर जानकारी देते हुए कहा कि कोई अनुमति नहीं दी गई है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएम आवास और पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। किसी भी मार्च या प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी और कोई रूट डायवर्जन नहीं किया गया। **दिल्ली में बढ़ी सुरक्षा व्यवस्था :** शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी का पीएम आवास घेराव को लेकर प्रदर्शन है। जिसके चलते पटेल चौक मेट्रो स्टेशन के बाहर भारी सुरक्षाबल को तैनात किया गया है।

ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी : आगे बताया कि जनता के लिए सामान्य प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा और अनुचित पार्किंग और कानूनी निर्देशों की अवज्ञा के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर खींचे गए वाहनों को काली बाड़ी मार्ग डायवर्जन बिंदुओं पर ट्रैफिक पिट में पार्क किया जाएगा।

जरूरत पड़ने पर इन रास्तों पर डावर्जन लागू होगा। अरबिंदो चौक, तुगलक रोड, राउंडअबाउट सम्राट होटल, राउंडअबाउट जिमखाना पोस्ट ऑफिस, राउंडअबाउट तीन मूर्ति हाइफा, राउंडअबाउट नीति मार्ग, राउंडअबाउट कौटिल्य मार्गजी 2 सी, कमाल अतातुर्क मार्ग, तीन मूर्ति मार्ग, सफदरजंग रोड और अकबर रोड आदि शामिल हैं।

यात्रियों से अनुरोध है कि यदि संभव हो तो उपरोक्त सड़कों से बचें या बायपास करके सहयोग करें और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम उपयोग करें।

भाजपा ने जारी की छह प्रत्याशियों की सूची, कांग्रेस के बागियों को दिए टिकट

शिमला। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने हिमाचल प्रदेश की छह विधानसभा सीटों पर लोकसभा चुनाव के साथ होने वाले उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषित कर दी है। भाजपा ने कांग्रेस के सभी बागियों को टिकट दिए हैं। धर्मशाला विधानसभा सीट से सुधीर शर्मा, लाहौल-स्पीति से रवि ठाकुर, सुजानपुर से राजेंद्र राणा, बड़सर से इंद्रदत्त लखनपाल, गगरेट से चैतन्य शर्मा और कुटलैहड़ से देविंद्र कुमार भुट्टों को प्रत्याशी बनाया गया है। कांग्रेस के बागी विधायकों को भाजपा की ओर से टिकट दिए जाने पर सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा किइससे साबित होता है कि भाजपा खरीद-फरोख्त में लगी है। राज्य की जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

गौरतलब है कि कांग्रेस के छह अयोग्य घोषित बागी और तीन निर्दलीय विधायकों ने बीते शनिवार को नई दिल्ली में भाजपा का दामन थामा था। इन्हें भाजपा में शामिल करते समय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। हालांकि, अभी निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष की ओर से मंजूर नहीं किए गए हैं। ऐसे में इनकी सीटों पर उपचुनाव के शेड्यूल पर भी पर बाद में स्थिति स्पष्ट होगी।

बता दें 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद 68 सदस्यीय राज्य विधानसभा में कांग्रेस के पास 40 थे, जबकि भाजपा के पास 25 विधायक थे। तीन सीटों पर निर्दलियों का कब्जा रहा। वित्त विधेयक पारित करते समय व्हिप जारी करने के बावजूद सदन में मौजूद न होने पर कांग्रेस के छह विधायक अयोग्य घोषित किए गए थे। निर्दलियों ने भी अपने पदों से इस्तीफे दे दिए हैं। इस्तीफे मंजूर होने के बाद नौ विधायकों के कम होने के बाद विधानसभा में 59 विधायक रह जाएंगे।

हिमाचल में कब होगा उपचुनाव : हिमाचल प्रदेश में लोकसभा की चार सीटों के लिए अंतिम एवं सातवें चरण में 1 जून को मतदान होगा।

इसी दिन छह विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव भी करवाया जाएगा। ये छह विधानसभा क्षेत्र वही हैं, जहां से कांग्रेस ने छह बागी विधायकों को अयोग्य घोषित किया है। 4 जून को नतीजे घोषित हो जाएंगे। प्रदेश में 7 मई को चुनाव की अधिसूचना जारी होगी।

हवा में फायरिंग के बाद ही फाग मेला स्थल की ओर रवाना हुए देवता पल्थान शोली

रामपुर। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर में जिलास्तरीय फाग मेले के पहले दिन ही पुलिस थाना रामपुर के बाहर हजारों की संख्या में देवलू उमड़ गए। ननखड़ी क्षेत्र के आराध्य देवता पल्थान शोली के साथ आए देवलुओं और श्रद्धालुओं ने वी वांट फायर के नारे लगाए। करीब पौने घंटे तक नेशनल हाईवे पर मंदिर कमेटी, पुलिस प्रशासन और मेला कमेटी के बीच गतिरोध चलता रहा। आखिर हवा में फायरिंग करने के बाद ही देवता पल्थान शोली यहां से आगे मेला स्थल की ओर रवाना हुए। पुलिस थाना रामपुर के बाहर करीब पौने घंटे तक माहौल संवेदनशील बना रहा। दरअसल, देव आगमन के साथ ही रामपुर में जिलास्तरीय फाग मेले का आगाज हो गया है।

मेले में पहुंचे देवी-देवताओं के अपने-आने कायदे-कानून हैं, जिसका निर्वहन सदियों से होता चला आ रहा है। ऐसा ही नियम ननखड़ी के आराध्य देवता साहिब पल्थान शोली का भी है। रामपुर क्षेत्र में शोली ऐसे देवता हैं, जो जब मंदिर से बाहर कहीं निकलते हैं तो उनका कारवां जैसे जैसे आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे विभिन्न स्थानों पर फायरिंग होती है। मंगलवार को जब देवता शोली मेले में शामिल होने जा रहे थे तो नियमों के मुताबिक पुलिस थाना रामपुर के बाहर देवता ने फायरिंग के आदेश दिए, लेकिन चुनाव आर्दश आचार संहिता के चलते पुलिस प्रशासन ने फायरिंग से मनाही कर दी।

भाजपा ने नामांकन रैली में दिखाई ताकत प्रत्याशियों के समर्थन में पहुंचीं स्मृति ईरानी

देहरादून। टिहरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह लक्ष्मी और गढ़वाल सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी नामांकन लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान भाजपा ने नामांकन रैली में अपनी ताकत दिखाई। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और सीएम धामी प्रत्याशियों के समर्थन में पहुंचे।

लोकसभा चुनाव में उतरे भाजपा व कांग्रेस के तीन प्रत्याशियों ने आज नामांकन किया। टिहरी से भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह लक्ष्मी और गढ़वाल सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के साथ ही कांग्रेस के टिहरी लोकसभा से जोत सिंह गुनसोला ने अपना नामांकन किया। कांग्रेस प्रत्याशी गुनसोला के नामांकन में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा समेत कई नेता भी मौजूद रहे।

पौड़ी के रांसी पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने स्वागत किया। यहां भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए मुख्यालय पहुंचे थे। बलूनी के समर्थन में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, गढ़वाल सांसद तीरथ रावत, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल सहित कई भाजपा नेता नामांकन में पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कुछ ही देर में पौड़ी रामलीला मैदान में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

किसी भी महिला को अपमानित करना गलत : कंगना रनौत

शिमला : कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की ओर से हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत पर की गई टिप्पणी को लेकर सियासत गरमा गई है। मंगलवार को कंगना रणौत ने कहा, ₹मैंने उस विषय पर जवाब दिया है। मुझे नड्डा जी ने दिल्ली बुलाया है, हमारी बैठक होगी उसके बाद ही मैं कोई प्रतिक्रिया दे पाऊंगी। एक अभिनेत्री और महिला होने के नाते या फिर तमाम महिलाएं जिनका कोई भी पेशा हो, वे सभी महिला सम्मान की पात्र हैं। किसी भी महिला को अपमानित करना गलत है। मंडी को छोटा काशी कहा जाता है। उसके बारे में इतनी भद्दी टिप्पणी करना कष्टदायक है।

बता दें, बीते दिनों कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने अभिनेत्री को लेकर एक ऐसा पोस्ट कर दिया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, सुप्रिया ने कंगना की एक तस्वीर के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट साझा की थी, जिसके बाद से भाजपा के नेता कांग्रेस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। हालांकि, बाद में यह पोस्ट डिलीट कर दी गई, लेकिन इस मामले पर विवाद थमता नहीं दिख रहा है। इस पोस्ट पर कंगना रणौत की भी प्रतिक्रिया भी सामने आई थी।

भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने के एलान पर सुखबीर की दो टूक, बोले

हमारे लिए नंबर गेम से ज्यादा उसूल

चंडीगढ़। पंजाब में भाजपा के अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने के एलान पर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने प्रतिक्रिया दी। बादल ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल कोई मामूली सियासी पार्टी नहीं है, यह एक उसूल वाली पार्टी है। हमारे लिए नंबर गेम से ज्यादा उसूल महत्वपूर्ण हैं।

सुखबीर ने कहा कि अकाली दल ने सरकार बनाने के लिए पार्टी नहीं बनाई, कौम की रक्षा, पंजाब की रक्षा, शांति और भाईचारा पंजाब में बना रहे यह अकाली दल की जिम्मेदारी है। दिल्ली की राष्ट्रीय पार्टियां सिर्फ वोट की राजनीति करती है, हम वोट की राजनीति नहीं करते।

बता दें कि भाजपा ने पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा और अकाली दल में सहमति नहीं बन पाई। पार्टी के पंजाब प्रधान ने इस बाबत एक्स पर ट्वीट किया था।

दरअसल शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी में पारित प्रस्ताव से पंजाब में अकाली दल और भाजपा के गठबंधन पर प्रश्नचिह्न लग गया था। भाजपा को अकाली दल की कोर कमेटी के पारित प्रस्ताव में कई मुद्दों पर सख्त आपत्ति थी। कारण यह था कि कई मुद्दे राष्ट्रवाद से जुड़े हुए हैं। जिसमें एनएसए को खत्म करने, फिरोजपुर व अटारी बॉर्डर को खोलने जैसे मुद्दों पर भाजपा अकाली दल से सुर नहीं मिला रही थी।

भाजपा के पंजाब के सहप्रभारी डॉ. नरिंदर रैना भी पहले ही कह चुके थे कि भाजपा का मुद्दा राष्ट्रवाद है और इस पर पार्टी कभी समझौता नहीं कर सकती।

एक देश एक राष्ट्र की बुलंद आवाज लेकर भाजपा पंजाब में 13 सीटों के लिए तैयार है, लेकिन अपने मुद्दे व नीतियों से समझौता नहीं करेगी।

उत्तराखंड : सोशल मीडिया पर नजर रख रहे हैं100 साइबर कमांडो

संदिग्ध मैसेज कराए डिलीट, सैकड़ों अकाउंट की जांच

देहरादून। आम चुनाव में सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है। इसके लिए 100 साइबर कमांडो 24 घंटे सोशल मीडिया पर नजर रख रहे हैं। इन साइबर कमांडो ने अब तक हजारों ऐसे मैसेज और मीडिया फाइल को डिलीट कराया है, जो भविष्य में चुनाव प्रभावित कर सकती हैं।

इसी तरह सैकड़ों सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की जा रही है। जांच के बाद इन अकाउंट को ब्लॉक कराने के साथ-साथ संबंधित के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है। दरअसल, बीते एक दशक से हर चुनाव में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रहती है। राजनीतिक पार्टियां और उनके समर्थक इसका भरपूर प्रयोग करते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसे बहुत से मैसेज होते हैं, जो चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं।

लगातार की जा रही मॉनिटरिंग : इसके साथ ही बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो ध्रुवीकरण के जिम्मेदार होते हैं। इससे किसी एक राजनीतिक पार्टी को लाभ और अन्य दलों को नुकसान होने का खतरा रहता है। ध्रुवीकरण के कारण

समाज में वैमनस्य फैलने का भी भय रहता है। इन्हीं सब पर नजर रखने को अबकी पुलिस की ओर से बड़े इंतजाम किए गए हैं। चुनाव के मद्देनजर सोशल मीडिया पर एकीकृत टीम एसटीएफ और साइबर थाने के अंतर्गत काम कर रही है। सभी 13 जिलों में पुलिस की साइबर सेल को भी सोशल मीडिया की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई है। वर्तमान समय में पूरे प्रदेश में 100 साइबर कमांडो हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय में इस टीम के प्रतिदिन के कार्य की लगातार मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

कुमाऊं में बजा सियासी बिगुल, दोनों पार्टियों आमने-सामने

हल्द्वानी। कुमाऊं की दोनों सीटों पर सियासी बिगुल बजने के साथ ही मंडल के सयासी पंडित दोनों ही प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों की हार-जीत का गणित लगाने में जुट गए हैं। वर्तमान परिस्थितियों में देखा जाए तो प्रचार से लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां बांटने में भगवा खेमा आगे है। भितरघात से दोनों ही दलों के प्रत्याशियों को जूझना पड़ेगा, लेकिन इस मामले में ज्यादा सावधान कांग्रेस प्रत्याशियों को रहना होगा क्योंकि नैनीताल सीट पर जहां अप्रत्याशित रूप से युवा चेहरे पर दांव खेला गया है उससे लगता नहीं है कि आसानी से टिकट के दावेदार इस बात को पचा पाएंगे।

कांग्रेस के एक पुराने नेता और विकास पुरुष एनडी तिवारी के रिश्तेदार दीपक बल्यूटिया ने तो कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी शैलजा कुमारी को इस्तीफे के साथ लंबा चौड़ा पत्र भेज दिया। अल्मोड़ा में भी कांग्रेस प्रत्याशी को पार्टी के दो विधायकों की नाराजगी भारी पड़ सकती है। सियासी जानकारों का कहना है कि कांग्रेस के सामने भाजपा है, जहां मोदी फरमान के आगे सारे बागी बिल के भीतर छिप जाएंगे या पार्टीके उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करते नजर आएंगे। ऐसे हालात में देखना होगा कि कुमाऊं की दोनों सीटों भगवा फिर लहराएगा या कांग्रेस के प्रदीप और प्रकाश देश की सबसे पुरानी पार्टी के वैभव को लौटा कर यहां नई लौ जलाने में कामयाब होंगे या नहीं।

अल्मोड़ा-पिथैरागढ़ सीट
भाजपा- अजय टम्टा
कांग्रेस- प्रदीप टम्टा

नैनीताल-यूएसनगर सीट
भाजपा- अजय भट्ट
कांग्रेस- प्रकाश जोशी

राममंदिर निर्माण के बाद भगवा लहर पर सवार अजय टम्टा को भाजपा के मजबूत संगठन और लोकसभा क्षेत्र में वर्तमान में पिछले चुनाव के मुकाबले 11 के बजाय इस बार 9 विधायकों के प्रभाव के साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी का समर्थन मिल रहा है। नामांकन के दिन सीएम खुद अल्मोड़ा पहुंचे थे और जनसभा करके मतदाताओं के समक्ष डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए भाजपा प्रत्याशी को जिताने और मोदी का हाथ मजबूत करने की अपील की थी। टिकट के दावेदारों से यहां भितरघात की आशंका है लेकिन इतनी नहीं है जिसे भाजपा प्रदेश कमान अपने स्तर पर मैनेज न कर सके।

अजय टम्टा लगातार दो बार से सांसद हैं इसके बावजूद मतदाताओं का रुख देखकर सत्ता विरोधी लहर का अहसास नहीं है। वैसे भी मतदाता अब पहले की तरह बताता नहीं है। लिहाजा अजय टम्टा को इस मामले में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत से लेकर विकास पुरुष की कर्मस्थली रही लोकसभा सीट से इस बार भी अपने काम और अपने काम के सहारे अजय भट्ट लगातार तीसरी बार चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश में है। पार्टी ने पहले ही उन्हें प्रत्याशी घोषित करके इस सीट पर मतदाताओं के बीच माइलेज ले लिया है। यह संसदीय सीट 2014 से भाजपा के पास है तब भगत सिंह कोश्यारी ने हरीश रावत को शिकस्त दी थी।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 नई दिल्ली, बुधवार 27 मार्च, 2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

कुछ इस तरह से बैठा विधायक अतुल गर्ग के लोकसभा वाले टिकट का गणित !

गहरी रणनीति बनी जनरल वी के सिंह की टिकट में बाधा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के लोकसभा का टिकट इस बार इतने बड़े उतार-चढ़ाव लेकर आएगा ये किसी को पता नहीं था, मगर रिजल्ट सोच के विपरीत आया। अच्छे-अच्छे राजनीति के पंडित कहलाए जाने वालों के समीकरण फेल हो गए। जनरल वीके सिंह को लेकर जहां उनका खेमा पूरी तरह से आश्वस्त था, वहीं प्रबल संभावना ये मानी जा रही थीं कि अगर किसी परिस्थिति वश जनरल वीके सिंह का टिकट गाजियाबाद लोकसभा से नहीं होता है तो उनके स्थान पर पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल को टिकट दे दिया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह का भी नाम गाजियाबाद से टिकट वाली दावेदारी में मजबूत था। मगर जैसे ही उनके आंध्र प्रदेश के प्रभारी वाली सूचना जारी हुई, तभी उनकी संभावनाएं गाजियाबाद लोकसभा सीट से समाप्त हो गई। ऐसा लग रहा था कि ठाकुर फेक्टर पर अब जनरल वीके सिंह को मात देने वाला कोई नहीं है, मगर जनरल वीके सिंह वाले लोकसभा चुनाव न लड़ने वाले ट्विट ने उनके समर्थकों की भावनाओं को एक झटके में डिलीट कर दिया। कुछ ही देर बार अतुल गर्ग के टिकट की घोषणा हो गई। अब चर्चाएं यही हैं कि जनरल वीके सिंह विधायकों की सधी हुई रणनीति को समझ नहीं पाए। सूत्र बताते हैं कि विधायक खेमा अब से नहीं पिछले दो वर्षों से एकमुश्त रूप से साथ नजर आ रहा था। दोनों तरफ से दूरियों के संदेश भी साफ नजर आ रहे थे। सधी हुई रणनीति के तहत विधायकों का खेमा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लगातार अपना हाल-ए-दिल शेयर कर रहा था। जनरल वीके सिंह को निशाने पर न लेकर उनसे मजबूती से जुड़े हुए चेहरों को टारगेट पर लिया जा रहा था। ऊपर वालों को संदेश यही दिया जा रहा था कि लोकसभा में इन दो चेहरों की साहब से अतिरिक्त दखल है। सूत्र बताते हैं कि बैकअप प्लान में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल को भी ये सब साथ लेकर चल रहे थे। गाजियाबाद की सीट वैश्य विरादरी को जाएगा ये भी बात काफी हद तक तय हो गई थी। मगर टिकट अतुल गर्ग ले आएंगे यह बात किसी से भी दूर-दूर तक नहीं सोची थी। सूत्र बताते हैं कि जिस वक्त अरुण सिंह का नाम गाजियाबाद की चर्चाओं से आउट हुआ, तब यहां पर विधायकों को अपनी रणनीति को बदलना पड़ा। इन सबने फिर शीर्ष नेतृत्व से संपर्क किया। अपना संगठित विरोध फिर से दर्ज कराया। यहां पर अनिल अग्रवाल के नाम की सामान्य चर्चा थी। मगर भाजपा की राजनीति में माना जाता है कि टिकट की दावेदारी में जिस चेहरे का नाम ज्यादा चल जाता है उसका नाम रेस से भी उतनी ही तेजी से निकल जाता है। यहां पर कुछ ऐसा ही राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल के साथ हुआ। विधायकों के पास अब ऑप्शन नहीं बचा था। उन सबने पार्टी आलाकमान के एक बड़े चेहरे को कहा कि अगर सीट वैश्य हो रही है तो अतुल जी को चुनाव लड़वा दिया जाए। अतुल गर्ग दो बार के विधायक हैं एक बार के मंत्री हैं। इस आधार पर उनका नाम गंभीरता से कंसीडर हो गया। कहने वाले अब यह कह रहे हैं कि किसी से खिलाया फूल और उसे कोई और ले गया।

कुछ तो होगी बड़ी बात जो सिटिंग विधायक को दिया गया लोकसभा का टिकट

यूं ही भला क्यों पार्टी कराना चाहेगी उपचुनाव

करंट क्राइम। राजनीतिक गलियारों में अतुल गर्ग की लोकसभा टिकट होने के बाद तमाम तरह की चर्चाएं हैं, मगर एक चर्चा यह भी है कि कुछ तो बड़ी वजह होगी जो पार्टी ने बड़ा सोचा होगा, तभी गाजियाबाद की लोकसभा की सीट पर एक विधायक को टिकट दिया गया है। सामान्य सी बात है कि पार्टी ने यहां पर अतुल गर्ग को लोकसभा टिकट देकर एक बड़ा मैसेज दिया है। संदेश दिया गया है कि पार्टी वैश्य समीकरण पर अतुल गर्ग को ही यहां पर मजबूत चेहरा मानकर चल रही थी। अगर ऐसा नहीं होता तो उनके स्थान पर गाजियाबाद के टिकट की खुले तौर पर दावेदारी कर रहे पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल को टिकट दे दिया जाता। अनिल अग्रवाल पिछले पांच वर्षों से गाजियाबाद लोकसभा की हर विधानसभा में संपर्क साध रहे थे। इतना ही नहीं उनकी राज्यसभा वाली सदस्यता भी पूर्व हो चुकी थी। ऐसे में उनकी संभावनाएं ज्यादा थीं। मगर यहां पर अतुल गर्ग के नाम को वरीयता मिली जिससे यह साबित हो गया कि वह गाजियाबाद की राजनीति के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं। अगर वो चुनाव जीतते हैं तो आने वाले समय में भगवा गढ़ के चेहरों को और भी बड़े सरप्राइजिज के लिए तैयार रहना होगा।

अतुल गर्ग को ही यहां पर मजबूत चेहरा मानकर चल रही थी। अगर ऐसा नहीं होता तो उनके स्थान पर गाजियाबाद के टिकट की खुले तौर पर दावेदारी कर रहे पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल को टिकट दे दिया जाता।

उल्लघंन पर जुर्माना: सरकार ने 23 नस्ल के कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर लगाई रोक, जिनके पास है वो कराएं नसबंदी

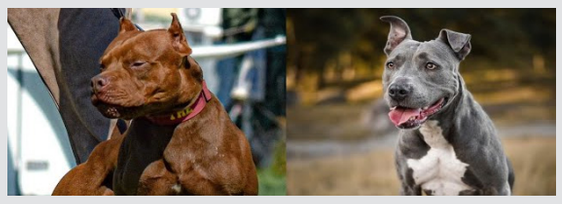

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अगर आप खूंखार नस्ल का कुत्ता पालने का शौक रखते हैं तो जरा सावधान हो जाइए। कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने रोक लगाने का सुझाव दिया है। हालाकि, जिनके पास पहले से इन नस्लों के कुत्ते हैं उन्हें तत्काल उनकी नसबंदी करानी होगी। नियमों का पालन नहीं करने पर नगर निगम पांच हजार रुपये जुर्माना लगाएगा। दोबारा जांच में नसबंदी प्रमाण पत्र नहीं दिखाया तो फिर से इतना ही जुर्माना लगेगा। एक अप्रैल से निगम का पशु चिकित्सा विभाग कार्रवाई शुरू कर देगा। पालतू कुत्तों के हमलों से हो रही मौतों के बीच केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने खूंखार कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर रोक लगा दी है। इस संबंध में 12 मार्च को ही राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र जारी किया जा चुका है। अब नए नियमों के तहत कार्रवाई करने की तैयारी नगर निगम ने शुरू कर दी है। निगम अधिकारियों ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र में पहले से ही तीन नस्लों के कुत्तों के पंजीकरण पर रोक है, जिनमें पिटबुल, रॉटविलर और डोगो अर्जेंटीनो नस्ल शामिल हैं। अब 20 अन्य नस्लों के कुत्तों को प्रतिबंधित श्रेणी में शामिल किया गया है। आदेश के अनुसार क्रॉसब्रीड सहित इन सभी नस्लों के कुत्तों के आयात, प्रजनन, पालतू कुत्तों के रूप में बेचने और अन्य उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग बिक्री के लिए कोई लाइसेंस या परमिट जारी नहीं करेगा। स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग बिक्री के लिए कोई लाइसेंस या परमिट जारी नहीं करेगा। नगर निगम गाजियाबाद ने एक अप्रैल कार्रवाई की तैयारी कर ली है। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित नस्लों के कुत्तों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। जो पहले से पंजीकृत हैं उनके मालिकों को तत्काल अपने पालतू कुत्तों की नसबंदी करानी होगी। निगम की टीम जांच के दौरान नसंबदी का प्रमाणपत्र मांगेगी, नहीं दिखाने पर जुर्माना लगाया जाएगा। इनमें प्रमुखता से यह प्रतिबंध मिक्सड और क्रॉस सभी नस्लों पर लागू करने को कहा है। इन ब्रीड में पिटबुल, रॉटविलर, टोसा इनु, अमेरिकन स्टैफोर्डशायर टेरियर, फिला ब्राजालेरियो, डोगो अर्जेंटीनो, अमेरिकन बुलडॉग, बोएरबोएल, कैंगल, सेंट्रल एशियाई शेफर्ड डॉग, कोकेशियान शेफर्ड डॉग, सप्लानिनैक, जापानी टोसा, अकिता, मास्टिफ्स, इओटवीलर, कैनेरियो, रोडेशियन रिजबैक, अक्बाश, वोल्फ डॉग, मॉस्को गॉर्ड, केन कोर्सो और टॉर्नजैक शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच में शुरू हो गया यह विचार....

कौन होगा शहर विधानसभा सीट से उम्मीदवार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उम्मीद रखने से उम्मीदवारियां तय हो जाती हैं। अब जब शहर विधायक अतुल गर्ग को पार्टी ने लोकसभा का टिकट दे दिया है तो मोटे तौर पर यह माना जा रहा है कि जल्द ही लोकसभा चुनाव के बाद इस सीट पर फिर से उपचुनाव होगा। विधायक का चुनाव जो भी जीतकर आएगा, जिस दल से भी जीत कर आएगा उसे तीन साल विधानसभा में बैठने का मौका मिलेगा। यहां पर समीकरण भाजपा के पक्ष में हैं। मगर विपक्ष वालों के भी हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बीच शहर विधानसभा सीट सुर्खियों में आ गई है। अब यहां से भाजपा किसको चुनाव मैदान में उतारेगी। क्या जातिगत फैक्टर फिट किया जाएगा। इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। भाजपा के वैश्य समाज, ब्राह्मण समाज, पंजाबी समाज व अन्य समाज के चेहरों ने यहां से विधायक के ख्वाब देखने शुरू कर दिए हैं। विपक्ष फिलहाल खुलकर कुछ नहीं बोल रहा है, मगर ये सीट भाजपा ने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीती है। वोटों के इस जादुई गणित ने अभी से विधानसभा के दावेदार चर्चाओं में ला दिए हैं।

शहर सीट पर वैश्य चेहरा होगा रिपीट या फिर बदलेंगे समीकरण

करंट क्राइम। भाजपा लोकसभा उम्मीदवार अतुल गर्ग के टिकट फाइनल होने के बाद शहर की विधानसभा सीट अब तमन्नाओं का गुलदस्ता लेकर सामने आई है। चर्चा यह है कि वैश्य विरादरी वाले अतुल गर्ग को ठाकुर कोटे वाली लोकसभा का टिकट दिया गया है। ऐसे में क्या पार्टी इस सीट पर वैश्य चेहरे को चुनाव लड़ाएगी या फिर समीकरण बदलेगी। इस पर सबकी नजर है। 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रबलता से टिकट मांगने वाले पूर्व क्षेत्रीय उपध्याक्ष मयंक गोयल, पूर्व जीडीए मैम्बर एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पवन गोयल, भाजपा महानगर कोषाध्यक्ष एवं मिलनसारिता की मिसाल बन चुके संजीव गुप्ता, हाल ही में साध्वी जया किशोरी की धार्मिक सभा का ऐतिहासिक आयोजन कराने वाले भाजपा नेता अनिल अग्रवाल सांवरिया के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता वेदप्रकाश गर्ग खादी वाले, भाजपा एवं व्यापारी नेता बालकिशन गुप्ता, इसके अलावा और भी कई मजबूत वैश्य चेहरे हैं जिसको लेकर अब चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं।

दिल मांगे मोर, ब्राह्मण चेहरा या कोई और

करंट क्राइम। सीट खाली होने के बाद तमाम जातिगत समीकरणों पर चर्चाएं चल रही हैं। एक चर्चा यह भी है कि यहां पर पार्टी अपने परंपरागत ब्राह्मण वोटों को भी निराश नहीं करना चाहेगी। हालांकि बराबर वाली साहिबाबाद सीट से सुनील शर्मा के तौर पर पार्टी ने कैबिनेट मंत्री दिया हुआ है। बावजूद इसके संभावनाओं का दौर शुरू हो चुका है। चर्चाएं यही हैं कि अगर पार्टी ने ब्राह्मण फैक्टर पर काम किया तो यहां पर भाजपा के वर्तमान महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं लोकसभा प्रभारी अजय शर्मा, पूर्व मेयर आशा शर्मा, भाजपा के पूर्व सीनियर पार्षद अनिल स्वामी, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष केके शुक्ला सहित और भी नाम सुर्खियों में रहेंगे। इसके अलावा पार्टी की रणनीति ओबीसी, दलित या अन्य फैक्टर पर रहेगी। इस पर भी निगाहें आकर अब टिक गई हैं।

क्या लोकसभा का ठाकुर कोटा शहर विधानसभा में किया जाएगा मैनेज

करंट क्राइम। पिछले दो दशक से ऊपर गाजियाबाद की लोकसभा सीट पर ठाकुर विरादरी के चेहरे को भाजपा चुनाव लड़ाती आ रही है। पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, रिटायर्ड जनरल वीके सिंह इस सीट से बीजेपी के ठाकुर कोटे में सांसद रहे हैं। मगर इस बार पार्टी ने दो दशक पुराना समीकरण बदल डाला। टिकट वैश्य समाज के चेहरे के पास आ गया। ऐसे में अब चर्चा इस बात पर है कि क्या पार्टी ठाकुर समाज की नाराजगी को कम करने के लिए क्या इस सीट पर किसी ठाकुर चेहरे को मैदान में उतारेगी। फिलहाल इस सीट पर यूं तो कई सक्रिय ठाकुर चेहरे हैं, मगर विधानसभा का टिकट यहां पर किसी की ओर से भी प्रबलता से नहीं मांगा गया है। ऐसे में देखना यह है कि दावेदारी की दौड़ में यहां पर कौन चेहरा सबसे पहले आकर अपनी दावेदारी ठोकता है।

क्या इस बार पंजाबियों की किस्मत करेगी बल्ले-बल्ले

करंट क्राइम। शहर विधानसभा सीट अब उम्मीदवारी के लिए तैयार है। वहीं एक चर्चा अब पंजाबी समाज से भी उठने लगी है। कहने वाले कह रहे हैं कि लंबे समय से विधायक, मेयर और सांसद वाली फीलिंग का सूखा झेल रहे सिख और पंजाबी समाज के दावेदारों पर पार्टी मेहरबान हो सकती है। यहां पर प्रमुखता से नाम अब भाजपा के वरिष्ठ नेता सरकार एसपी सिंह, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा, नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष राजीव शर्मा का नाम चल रहा है। गौरतलब है कि इस बार लोकसभा वाली दावेदारी में पंजाबी समाज पूरी तरह से साइलेंट रहा। मगर अब चर्चा है कि समाज इस बार पुरजोर तरीके से आवाज उठाएगा। कहने वाले कह रहे हैं कि अगर भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा और वरिष्ठ नेता जगदीश साधना समाज की आवाज इस बार मजबूती से उठाते हैं तो निर्णय यानी की उम्मीदवार पंजाबी समाज का घोषित हो सकता है।

संपादकीय

भूटान है भारत के लिए अहम, पीएम की ये यात्रा दोनों देशों के संबंधों को मजबूती प्रदान करेगी

दिली से 1900 किलोमीटर दूर पड़ोसी देश भूटान में। कहा जा रहा है कि आचार संहिता के दौरान विदेश यात्रा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। वहां उन्हें भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी सम्माति किया गया है। भूटान पहुंचने पर पीएम मोदी का ऐसा ग्रैंड वेलकम हुआ जो इससे पहले शायद ही किसी प्रधानमंत्री का हुआ हो। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का ये तीसरा भूटान दौरा है। पहला दौरा 2014 में हुआ था जब पीएम बनने के बाद पहले विदेश दौरे पर वो भूटान गए थे। दूसरा दौरा 2019 और तीसरा पांच साल के अंतराल पर अब हुआ। ये दौरा टाइमिंग के लिहाज से भी खास है। इस वक्त भारत और चीन के बीच सीमा को लेकर तनाव बना हुआ है। इसकी एक कड़ी भूटान से भी जुड़ी हुई है। इसलिए हमने सोचा कि क्यों न आज भारत-भूटान के संबंधों का एमआरआई स्कैन किया जाए। आपको ये बताया जाए कि महज साढ़े सात लाख की आबादी वाला ये मुल्क भारत के सामरिक हितों के लिए कितना अहम है। इसके साथ ही इसके चीन फैक्टर पर भी विस्तार से बात करेंगे। हिमालय की गोद में बसे छोटे से पर्वतीय देश भूटान जिसका 70 फीसदी इलाका जंगलों से दका है। इसकी आबो-हवा जिसकी वजह से खूब साफ रहा करती है। स्थानीय लोग भूटान को द्रयूक्योल के नाम से भी जानते हैं। इसका मतलब है थंडर ड्रैगन की भूमि। हिमालय की चोटियों से घाटियों में आने वाले जंगली तूफानों का संदर्भ है। इसकी सीमा दो देशों भारत और चीन से लगती है। भारत के चार राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल और सिक्कम की सीमा भूटान से लगती है। भूटान की आबादी लगभग 8 लाख है। 83 फीसदी लोग भूटान को बौद्ध धर्म को मानते हैं और 11 फीसदी हिंदू है। भूटान में इंसानी सभ्यता के निशान लगभग चार हजार बरस पुराने हैं। हालांकि ये सदियों तक अलग थलग रहा। बाहरी दखल का इतिहासिक रिकॉर्ज 747 ई. का है। गुरु पद्मसंभव तिब्बत से भूटान आए। भूटान में उन्हें ईश्वर का दर्जा मिला है। वो अपने साथ बौद्ध धर्म लेकर आए थे। मान्यता है कि पद्मसंभव बाघ पर सवार होकर भूटान पहुंचे थे। पिछले कुछ समय से भूटान और चीन अपने बॉर्डर मुद्दे को 3 स्टेप रोड मैप के जरिए सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। इन दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का मामला भारत के लिए रणनीतिक नजरिए से बेहद अहम है। भूटान और चीन के बीच डोकलाम पर नियंत्रण एक अहम मामला है। डोकलाम पठार भारत और भूटान की सीमा पर है और इस त्रिकोण का जुड़ाव भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर से है। अगर यहां चीन का नियंत्रण होता है तो रणनीतिक तौर पर अहम चिकन नेक कॉरिडोर तक चीन की निगरानी हो जाएगी। लिहाजा 'भारत के लिए यह बेहद अहम है। पिछले साल अप्रैल में विदेश सचिव से डोकलाम को लेकर एक सवाल पूछा गया था जिस पर उन्होंने कहा था कि इस मसले पर भारत और भूटान इस मामले पर संपर्क में बने हुए है।

भारत ने इसमें अपनी भूमिका भी निभाई है। उसने सहयोगी के रूप में इसके लिए माकूल माहौल मुहैया कराया है। इससे भूटान को ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक वास्तविकताओं के साथ अपनी प्रतिभा और कंफर्ट लेवल हासिल करने के लिए समय मिला है। भारत ने नए भूटान की वास्तविकता और उसके लोकतांत्रिक संवैधानिक राजतंत्र में परिवर्तन को स्वीकार करते हुए 1949 की संधि पर फिर से वातचीत की। इसने भूटान में भरोसा जगाया कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को भारत के साथ जोड़े रखे और इन त्रिगेट करे।

पीएम मोदी और भूटान के पीएम शेरिंग टोवगे के वीच रिन्यूएबल एनर्जी, एग्रीकल्चर, यूथ एक्सचेंज, पर्यावरण और टूरिजम जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति बनी। साथ ही ट्रेड, डिजिटल कनेक्टिविटी, स्पेस और यूथ कनेक्ट के मामलों को लेकर करार हुए। दोनों देशों के साझा वयान के मुताविक, दोनों पक्ष भारत और भूटान के बीच रेल कनेक्टिविटी को लेकर सहमत हैं और टडव पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। भारत और भूटान के बीच कोकराझार-गेलेफू रेल और वनारहाट- समत्से रेल पर काम होना है। भूटान में चीन की बढ़ती मौजूदगी भारत के लिए चिंता का विषय है। नई दिल्ली अपने दोनों पड़ोसियों के बीच सीमा निर्धारण को लेकर होने वाली बातचीत पर करीब से नजर रख रही है। पिछली भूटानी सरकार के तहत चीन के साथ थिम्पू की सीमा चर्चा में काफी प्रगति देखी गई, जिससे भारत सतर्क हो गया। नई दिल्ली चिंतित है कि थिम्पू और बीजिंग के बीच एक समझौते में उत्तर में विवादित क्षेत्रों के लिए भारत, भूटान और चीन के बीच त्रिकोणीय जंक्शन के करीब स्थित डोकलाम की अदला-बदली शामिल हो सकती है। भारत डोकलाम पठार को भूटान का निर्विवाद क्षेत्र मानता है, जबकि बीजिंग इसे अपनी चुम्बी घाटी का विस्तार मानता है, जो सिक्किम और भूटान के बीच स्थित है। यह पठार रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के करीब है, जो भारतीय मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर से जोड़ता है। यह गलियारा भारत को तिब्बत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से भी जोड़ता है। पिछले साल, भूटान और चीन ने दोनों देशों के बीच सीमा के रपरिसीमन और सीमांकनर पर एक संयुक्त तकनीकी टीम के लिए रसहयोग समझौतेर पर हस्ताक्षर किए थे। चीन और भूटान के बीच किसी भी सौदे का भारत पर सुरक्षा संबंधी प्रभाव पड़ेगा। चीन भूटान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए भी उत्सुक है। इस पृष्ठभूमि के बीच, दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बैक-टू-बैक यात्राएं भूटान और भारत के बीच मजबूत संबंधों का संकेत देती हैं।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के सात चरणों का चक्रव्यूह पार करना नहीं होगा आसान

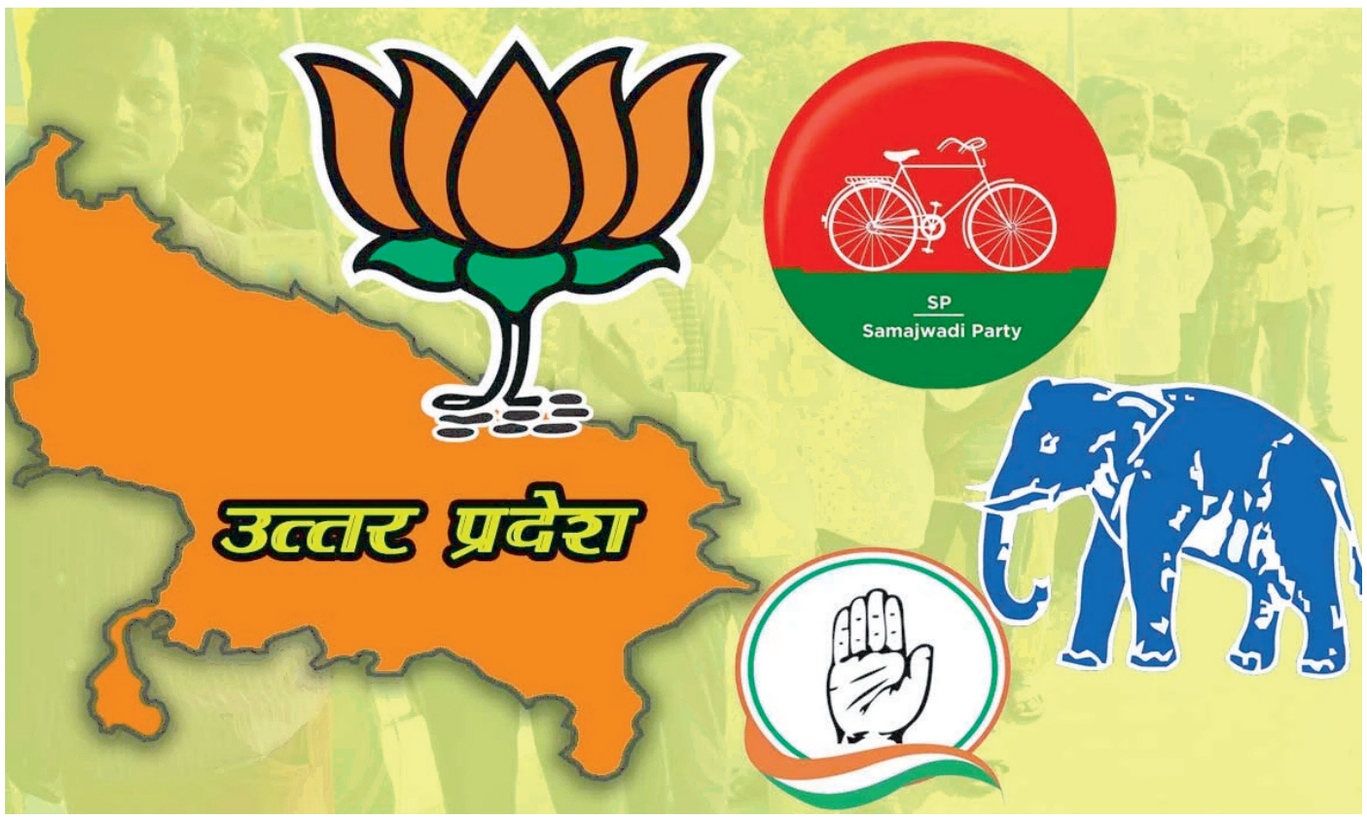

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों को लेकर पूरे देश मे कौतुहल दिखाई दे रहा है। लोकसभा सीटों के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है। त्रिकोणीय मुकाबले में एक तरफ एनडीए के तले मोदी की सेना जीत की हुंकार भर रही है तो दूसरी ओर राहुल गांधी के अगुवाई में ह्यइंडीह्न गठबंधन ताल ठोक रहा है। दोनों गठबंधनों में बस फर्क इतना है कि जहां एनडीए की ओर से मोदी पुनः प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं, वहीं इंडी गठबंधन ने कौन होगा पीएम पर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन लगता यही है कि यदि इंडी गठबंधन के लिये सत्ता की राह बनी तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार होंगे। खैर, अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं है। कौन होगा अगल प्रधानमंत्री ? यह सात चरणों के मतदान के बाद 04 जून को पता चलेगा, जब वोटों की काउंटिंग होगी। इसी लिये फिलहाल तो सात चरणों के चक्रव्यूह को भेदने के लिये ही सभी पार्टियो मैदान में ताल ठोंक रही हैं। 19 और 26 अप्रैल को प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण का मतदान होगा। इन दोनों चरणो में पश्चिमी यूपी की 16 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रथम चरण और दूसरे चरण के मतदान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्रमशः आठ-आठ सीटों के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। 07 मई को भी तीसरे चरण में दस सीटों पर मतदान होगा इसमें भी दस में से पश्चिमी यूपी की चार सीटें शामिल होंगी। इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे और 01 जून को सातवें चरण का मतदान होना होगा। शुरू के तीन चरणों में जो राजनैतिक जंग पश्चिमी यूपी से शुरू होगी वह चौथे और पांचवे चरण में रूहेलखंड, अवध की सीटों पर तो छठे और सातवें चरण में पूर्वांचल में पहुंच कर समाप्त हो जायेगी। चार जून को नतीजे आयेंगे।

2024 लोकसभा चुनावों की शुरूआत पश्चिमी यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर से होगा। पहले चरण में चुनाव के लिए आठ सीटों में से, भाजपा ने 2014 के चुनावों में सभी सीटें जीती थीं। 2014 में पार्टी ने अकेले प्रदेश भर में 71 सीटें जीतीं थीं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास कुल 73 सीटें थीं। 2019 के चुनाव में इन सीटों पर सपा-रालोद और बसपा गठबंधन के खिलाफ लड़ाई में बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने 8 में से केवल तीन सीटें जीतीं। ऐसे में सपा और बसपा को पूर्वांचल में कई सीटें मिलीं, जबकि बीजेपी को पूरे प्रदेश में सिर्फ 62 सीटें मिलीं थीं।

2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरूआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है। यह चुनाव क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति रालोद नेता जयंत चौधरी की स्थिति भी तय करेगा। केंद्रीय मंत्री संजय बालियान की हैट्रिक कोशिशों की परीक्षा होगी। यह चुनाव तय करेगा कि बीजेपी नेता वरुण गांधी का राजनीतिक भविष्य क्या होगा। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि नखतौर विधायक ओम कुमार संसद में जा सकेंगे या नहीं। यह क्षेत्र किसान और जाट नेता अजीत सिंह के प्रभाव वाला माना जाता है। चाहे आप जीतें या हारें, जीतने वाला पक्ष हमेशा सोचता है कि उसका पलड़ा भारी है। अजीत को अपनी बदनामी की भारी राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी। यह चुनाव अजीत सिंह के बिना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से जयंत चौधरी को अजीत का उत्तराधिकारी बनाने की कोशिशें अंत तक जारी रहीं। आखिरकार पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की सत्ताधारी पार्टी की चाल सफल रही। पिछले चुनाव में जयंत जाट दलित मुस्लिम गठबंधन छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। यह चुनाव तय करेगा कि जयंत का फैसला कितना सही है।

2019 का लोकसभा चुनाव में जो सपा,बसपा और रालोद एक गठबंधन का हिस्सा थे,वह बिखर चुके हैं। बसपा अकेली चुनाव लड़ रही है तो रालोद ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस बार पहले चरण की आठ सीटों में से चार पर सपा, तीन पर बसपा और एक पर रालोद को संघर्ष करना पड़ा। बसपा ने अपने हिस्से की तीनों सीटें (सहारनपुर, बिजनौर और नगीना) जीत लीं। सपा ने चार में से दो सीटें (मुरादाबाद और रामपुर) जीतीं। आरएलडी का खाता नहीं खुल सका। बीजेपी ने कैराना, मुजफ्फरनगर और पीलीभीत में सीटें जीती थीं।

बात आजम की चर्चा के बिना पूरी नहीं हो सकती है। प्रथम चरण में ही रामपुर की संसदीय सीट के लिये मुकाबला होना है। 2019 और उसके पहले के चुनाव में कभी समाजवादी पार्टी का मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की रामपुर समेत कई सीटों पर जीत तय रहती थी। पिछले पांच वर्षों में कई उतार-चढ़ाव से गुजरने के बाद, आजम खान को जेल हुई, दोषी पाया गया और विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। उपचुनाव हुआ जिसमें बीजेपी के घनश्याम लोधी सांसद बने। इस बार भी रामपुर में जेल में बंद आजम के कहने पर ही सपा चल रही है, अब नतीजे बतायेंगे क्या आजम अभी भी यहां ताकतवर हैं या फिर आजम को वोटर साइड लाइन कर चुके हैं। पहले चरण में ही बिजनौर में भी चुनाव होगा। एसपी-बीएसपी-आरएलडी गठबंधन में 2019 में बिजनौर की एक सीट बीएसपी के खाते में थी और उसके उम्मीदवार मुल्क नागर ने चुनाव जीता था। इस बार अपने चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए रालोद ने चंदन चौहान और सपा ने यशवीर सिंह को मैदान में उतारा है। इस बार 2019 में तीनों मित्र दलों के उम्मीदवार अलग-अलग एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे।

पश्चिमी यूपी की एक और चर्चित सीट मुजफ्फरनगर भी सुखियों में है।यहां भी 19 अप्रैल को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और आरएलडी प्रमुख अजीत सिंह एक-दूसरे पर नजरें गड़ाए हुए थे। बालियान लगातार दूसरी बार जीते। अजीत सिंह अब नहीं रहे और बदली हुई परिस्थितियों में आरएलडी और बीजेपी एक साथ हैं। ऐसे में रालोद भी इस बार बलियान में अपनी ताकत लगाएगी। सपा ने पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पिछले चुनाव में बसपा ने महागठबंधन के जरिए सहारनपुर सीट जीती थी। बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने भाजपा के राघव लखनपाल को हराकर चुनाव जीता। इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई हैं। इसी प्रकार से कैराना की सीट भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां से कभी बीजेपी के दिग्गज नेता हुकुम सिंह चुनाव लड़ा करते थे। उनकी मौत के बाद 2019 के चुनाव में बीजेपी के प्रदीप कुमार चौधरी ने एसपी की तबस्सुम बेगम को हराकर जीत हासिल की। इस चुनाव में सपा ने पूर्व सांसद मनूर हसन की बेटी इकरा हसन और तबसेम बेगम को अपना उम्मीदवार बनाया है। इकरा के छोटे भाई नाहिद हसन विधायक हैं। इसी तरह से नगीना संसदीय सीट पर पिछले चुनाव में बसपा के गिरीश चंद्र ने महागठबंधन से जीत हासिल की और सांसद बने। इस बार एसपी ने रिटायर जज मनोज कुमार को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी ने नहटूर से विधायक ओम कुमार को मैदान में उतारा है। इस बार दोनों पार्टियों के नए उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर दे रहे हैं। पीतलनगरी मुरादाबाद में सपा के हसन ने बीजेपी के कंवर सोरौश कुमार को हराकर चुनाव जीता। एसपी-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट एसपी के हिस्से में है और बीजेपी-आरएलडी गठबंधन में यह सीट बीजेपी के हिस्से में है। यहां समाजवादी पार्टी को हराना बीजेपी के लिये आसान नहीं होगा। प्रथम चरण की एक और पीलीभीत लोकसभा सीट से पिछला चुनाव बीजेपी के वरुण गांधी ने जीता था, लेकिन कुछ दिनों बाद उनका रवैया बदल गया। अक्सर देखा गया कि वे सरकार को खुद को कटघरे में खड़ा करके सवाल उठाते थे। अबकी से यहां लड़ाई काफी रोचक होती दिख रही है।

राशिफल

मेष: सोशल मीडिया पर आपकी कुछ हरकतों को देखकर आपका प्रेमी नाराज हो सकता है। किसी पोस्ट पर आपत्ति कर सकते हैं।

वृष: आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहेगा। आप अपने पार्टनर के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता पाएंगे। नए संबंध बनाने के लिए भी समय अच्छा रहेगा।

मिथुन: आपका प्रेमी कुछ रोमांटिक योजना बना सकता है लेकिन आप उसकी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे।

कर्क: आज का दिन आपके लिए यादगार साबित हो सकता है। आप अपने पार्टनर के साथ खूबसूरत समय बिता पाएंगे।

सिंह: प्रेमी के लिए अच्छा दिन कहा जा सकता है। रिश्तों में पहले से ज्यादा गहराई और जुनून देखा जा सकता है। आप प्रेम-संबंध में जिस मुकाम पर पहुंचे हैं।

कन्या: आज का दिन आपके लिए कठिन रहने के आसार हैं। पार्टनर से किसी न किसी बात पर झगड़ा होगा। जिससे आपके बीच अनबन हो सकती है।

तुला: पुराने संबंधों की याद आज ताजा हो सकती है जिससे मन में उदासी रहेगी. आप जितना भूलने की कोशिश करेंगे, आप उतने ही परेशान होंगे।

वृश्चिक: नए प्रेम संबंध में धोखा मिलने के योग हैं। शादीशुदा जातकों के प्रेम जीवन में तनाव की स्थिति रहेगी। किसी कारणवश गंभीर झगड़ा हो सकता है।

धनु: यदि आप दोनों के बीच कुछ समय से कुछ अनबन चल रही है तो आप दोनों इस बारे में बात कर सकते हैं।

मकर: आज आपके लिए विवाह प्रस्ताव आ सकते हैं। अगर आप किसी को चाहते हैं तो उसके बारे में अपने परिवार वालों से बात करना न भूलें।

कुंभ: किसी मित्र के कारण प्रेम संबंधों में दरार आ सकती है या गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। अपनी तरफ से ऐसा कुछ होने से रोकें।

मीन: आज का आज किसी जरूरी काम में आपको अपने लव पार्टनर का सहयोग मिलेगा। जिससे आपका मानसिक तनाव दूर होगा।

चुटकुले

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?
गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम।
टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं।
गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं
कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो,
जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए
फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लडका : मैं उस लडकी से शादी करुंगा,
जो मेहनती हो,
सादगी से रहती हो,
घर को संवारकर रखती हो,
आज्ञाकारी हो।
प्रेमिका : मेरे घर आ जाना,
ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया की पहली हॉस्पिटल ट्रेन भारत के पास है। जिसका नाम लाइफ लाइन ट्रेन है।
- एक सामाजिक अध्ययन के अनुसार संसार की महिलाये करीब 18 ट्रिलियन डॉलर कमाती हैं। लेकिन उनके खर्चे करीब 28 ट्रिलियन डॉलर होते हैं।
- क्या आप जानते हैं कि सऊदी अरब देश में एक भी नदी नहीं है।
- क्या आप जानते हैं की हीरे की खोज सबसे पहले भारत में ही की गयी थी।
- क्या आप जानते हैं कि शैम्पू की खोज सबसे पहले भारत में ही हुई थी।
- प्लास्टिक सर्जरी का अविष्कार भारत में ही हुआ था।
- क्या आप जानते हैं साल 1880 में थाईलैंड की रानी डूब रही थी लेकिन उसे बचाने उसके नौकर भी नहीं आये थे। क्योंकि थाईलैंड की रानी को छूना मना था।
- क्या आप जानते हैं की दुनिया में सबसे पुराना झंडा डेनमार्क देश का हैं जो 13 सदी से लगाया जा रहा है।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

27 03 2024

आज के जन्मदिन

करंट क्राइम परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

सेलेब्रिटी जन्मदिन

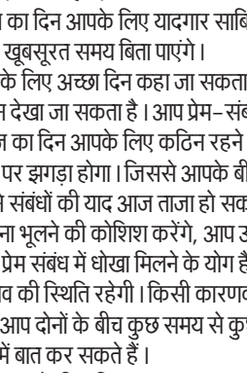

राम चरण

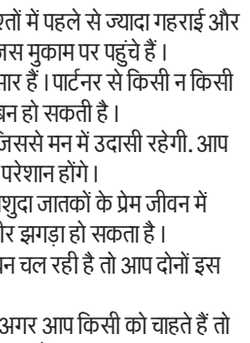

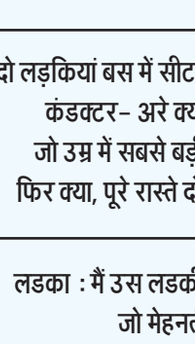

अवतार सिंह

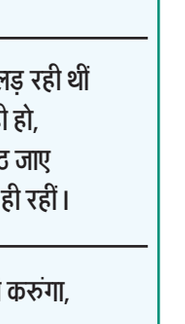

मोनू छलेरिया खटिक

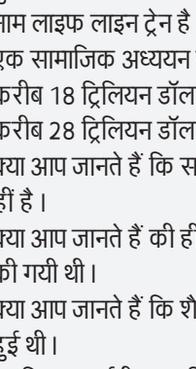

नोमन खान

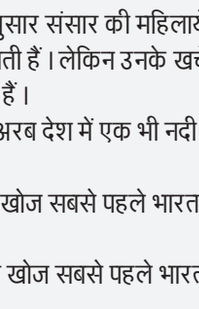

रोहित त्यागी

बाल्टीमोर में हादसा! मालवाहक जहाज के टकराने से ढहा पुल

बाल्टीमोर। मंगलवार की सुबह अमेरिका के बाहरी बाल्टीमोर हार्बर क्षेत्र में एक हादसा हो गया। दरअसल यहां एक मालवाहक जहाज बाल्टीमोर हार्बर को पार करने वाले पुल से टकरा गया। इस हादसे के बाद पुल ढह गया और घटना में कई लोगों की मौत की आशंका है। बाल्टीमोर तटरक्षक बल के अधिकारी मैथ्यू वेस्ट ने कहा कि मंगलवार की सुबह पुल के आंशिक ढहने की सूचना मिली थी। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग ने भी पुल के ढहने की पुष्टि की। इसके बाद मैरीलैंड परिवहन प्राधिकरण ने पुल पर आवाजाही रोक दी है।

20 लोग और कई वाहन नदी में समाए : तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग समेत कई एजेंसियों का कहना है कि हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है।

यह भी बताया जा रहा है कि पुल ढहने के बाद कई कारें और लोग पानी समा गए। कई लोगों के लापता होने की भी खबर है। कुल मिलाकर यह हादसा एक बड़ी क्षति की ओर इशारा कर रहा है। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग के निदेशक केविन कार्टराईट ने इस बात की पुष्टि की है कि 20 लोग और कई वाहन नदी में समा गए।

बाल्टीमोर से कोलंबो के लिए रवाना हुआ था जहाज : तटरक्षक बल के अधिकारी ने बताया कि जहाज पर सिंगापुर का झंडा लगा था। मालवाहक जहाज का नाम डाली है और वह 948 फीट लंबा है। यह जहाज बाल्टीमोर से कोलंबो श्रीलंका के लिए रवाना हुआ था। इस दौरान जहाज फ्रांसिस स्कॉट पुल से जा टकराया।

1977 में खोला गया था फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज : यह पुल आम जनता केलिए 1977 में खोला गया था। इसका नाम अमेरिका के विख्यात लेखक फ्रांसिस स्कॉट की के नाम पर रखा गया था।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ चलेगा आपराधिक मुकदमा

जज ने सुनवाई की तारीख 15 अप्रैल तय की

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप के खिलाफ मामले में ट्रायल की तारीख तय हो गई है। न्यूयॉर्क के एक जज ने मामले में सुनवाई की तारीख 15 अप्रैल निर्धारित की है। ट्रंप के खिलाफ यह पहला आपराधिक मुकदमा होगा।

सोमवार को सुनवाई के दौरान ट्रंप ने न्यायाधीश से मुकदमे को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, न्यायाधीश जुआन मर्चन ने ट्रंप के सभी अनुरोधों को खारिज कर दिया और 15 अप्रैल से ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के खिलाफ मुकदमा सोमवार को ही शुरू होने वाला था, लेकिन अंतिम समय में मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग का कार्यालय ट्रायल में देरी के लिए राजी हो गया।

इससे पहले, इस मामले में न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने 100,000 से अधिक पन्नों के रिकॉर्ड को खारिज कर दिया था। इसके बाद मामले में शामिल पक्षों ने आरोप लगाया कि दस्तावेज पहले सामने क्यों नहीं लाए गए। सोमवार को सुनवाई शुरू करने के बजाय दोनों पक्षों ने दस्तावेज विवाद को सुलझाने के लिए बैठक बुलाई। ट्रंप अपने लगभग आधा दर्जन वकीलों के साथ सुनवाई में शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान ट्रंप अधिकांश समय चुपचाप बैठे रहे और जज की तरफ देखते रहे।

सुनवाई के बाद ट्रंप ने आरोप लगाया कि ब्रैग का मामला उन्हें नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को साढ़े तीन साल पहले लाया जा सकता था। अब वे कई दिनों से चुनाव प्रचार कर रहे हैं, इसलिए विरोधी उन्हें चुनाव के दौरान रोकने की कोशिश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव में हस्तक्षेप है।

क्या है मामला

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले अपने साथ कथित संबंध के बारे में चुप रहने के लिए एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 130,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने का आरोप लगा है। ट्रंप ने अपने तत्कालीन प्रबंधक माइकल कोहेन के जरिये इस रकम का भुगतान किया था। इसके अलावा उन पर व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के भी आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, ट्रंप ने इन आरोपों का खंडन किया है और खुद को बेदाग बताया है।

पुतिन ने इस्लामी चरमपंथियों को मास्को आतंकी हमले का ठहराया जिम्मेदार

130 से अधिक की गई थीं जान

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को के उपनगर में कॉन्सर्ट हॉल पर हमला करने वाले बंदूकधारियों को कट्टरपंथी इस्लामवादी बताया। उन्होंने सोमवार को सरकारी अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि हत्याएं चरमपंथियों ने की हैं, जिनकी विचारधारा से इस्लामी सदियों से जूझ रहे हैं।

पुतिन ने रविवार को कहा था कि चार हमलावरों को यूक्रेन भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने हमले की जिम्मेदारी लेने वाले इस्लामिक स्टेट समूह के सहयोगी का उल्लेख नहीं किया। राष्ट्रपति ने सोमवार को एक बार फिर अपनी टिप्पणी में आईएस का जिक्र करने से परहेज किया।

रूसी राष्ट्रपति ने यह भी नहीं बताया कि हमले का आदेश किसने दिया, लेकिन कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि अपना अपराध करने के बाद आतंकवादियों ने यूक्रेन भागने की कोशिश क्यों की और वहां कौन उनका इंतजार कर रहा था।

अमेरिकी खुफिया ने किया दावों का समर्थन : बता दें कि आईएस समूह से जुड़े संगठन ने आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने भी पुष्टी की थी कि इस हमले में आईएस का हाथ है।

वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन का भी कहना है कि उनके पास भी खुफिया जानकारी है कि इस हमले के लिए आईएस इकाई ही जिम्मेदार है।

इससे पहले सोमवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने दोष देने से इनकार कर दिया और पत्रकारों से रूस में जांच के नतीजों की प्रतीक्षा करने का आग्रह किया।

उन्होंने उन रिपोर्टों पर भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिका ने 7 मार्च को मॉस्को में अधिकारियों को संभावित आतंकवादी हमले के बारे में चेतावनी दी थी, उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी खुफिया जानकारी गोपनीय है।

जैसा कि पुतिन ने कहा, रूस में हमले के पीछे के लोगों को कड़ी सजा देने की मांग उठने लगी। मॉस्को की एक अदालत ने रविवार रात चार लोगों पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान में चार बलूच युवक लापता लोगों ने फिर शुरू किया विरोध प्रदर्शन

क्वेटा। बलूचिस्तान के तीन अलग-अलग जिलों से सोमवार को कथित तौर पर चार बलूच युवक लापता हो गए, जिनमें दो सगे भाई भी शामिल हैं। बलूच राष्ट्रीय आंदोलन की मानवाधिकार शाखा (PAANK) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बलूचिस्तान में चार और युवकों को पाकिस्तानी सेना ने जबरन गायब कर दिया है। ऐसी घटनाएं हर दूसरे दिन तेज हो रही हैं। हमें बलूचिस्तान के तीन अलग-अलग जिलों अवारान, खुजदार और मस्तुंग से चार लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। पीड़ितों में से दो सगे भी भाई हैं।'

उसी पोस्ट में यह भी उल्लेख किया गया है 'पाकिस्तानी बलों द्वारा जबरन गायब करने के ये घृणित कार्य मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन और प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों के साथ गंभीर अन्याय हैं। इस तरह के कार्यों की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए और जिम्मेदार लोगों को उनके निंदनीय कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अधिकारियों को इन गुमशुदा लोगों की जांच करने और लापता चारों युवकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।'

पाकिस्तान में एक अन्य सामाजिक संगठन, वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लापता व्यक्तियों में से एक अमीर हमजा का परिवार अपने प्रियजन की वापसी की मांग को लेकर एक छोटा सा विरोध प्रदर्शन आयोजित कर रहा है। इससे पहले, सरगोधा से एक बलूच मेडिकल छात्र को कथित तौर पर जबरन गायब करने के विरोध में बलूच छात्र परिषद (बीएससी) पंजाब ने शनिवार को लाहौर में एक रैली आयोजित की थी।

अपने लड़ाकू विमान बेचने को तैयार हुआ जापान

टोक्यो। जापान द्वारा एक बड़ा फैसला लिया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब जापान ने अपने शांतिवादी सिद्धांतों को छोड़कर लड़ाकू विमान बेचने का फैसला लिया है। जापान अपने लड़ाकू विमानों को ब्रिटेन और इटली के साथ अन्य देशों में विकसित कर रहा है। इस फैसले के बाद जापान संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना में अपनी भूमिका को सुनिश्चित करेगा।

पहली बार लिया बड़ा फैसला : जापान की कैबिनेट ने हथियार उपकरण के दिशानिर्देशों में संशोधन का भी समर्थन किया। इससे लड़ाकू विमान समेत घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। बता दें कि इससे पहले जापान में शांतिवादी संविधान के तहत हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित किया गया था। अब चीन से बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच उसने यह कदम उठाए हैं।

नए लड़ाकू विमान तैयार कर रहा है जापान : इस समय जापान अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए F-2 लड़ाकू विमानों और ब्रिटेन द्वारा उपयोग किए जाने वाले यूरोफाइटर टाइफून को बदलने के लिए नई तकनीकि के लड़ाकू विमानों को तैयार कर रहा है। इस काम में इटली और ब्रिटेन जापान का सहयोग कर रहे हैं। इस कार्य योजना को ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम नाम दिया गया है, जिसका मुख्यालय ब्रिटेन में है।

इससे पहले जापान एफ-एक्स नाम के एक घरेलू डिज़ाइन पर काम कर रहा था। जापान को उम्मीद है कि उसके द्वारा तैयार किया गया नया विमान रूस और चीन के खिलाफ बढ़ते तनाव के बीच उन्नत हथियार साबित होगा।

संविधान में किया गया यह संशोधन : जापान की कैबिनेट ने हथियारों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दिशानिर्देशों में भी संशोधन का समर्थन किया है। इससे घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। जापान ने शांतिवादी संविधान के तहत लंबे समय से हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन चीन से बढ़ते क्षेत्रीय और वैश्विक तनाव के बीच देश ने तेजी से कदम उठाए हैं। जेट विमानों को बेचने के निर्णय से जापान को पहली बार अपने द्वारा उत्पादित घातक हथियारों को अन्य देशों में निर्यात करने की अनुमति मिलेगी।

दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध में हुई तबाही की वजह से जापान ने एक संविधान बनाया था। इस संविधान के तहत जापान ने सैन्य उपकरणों और घातक हथियारों के सभी निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अब जब जापान ने इस संविधान में संशोधन किया तो विरोधियों ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा सरकार की आलोचना की है। इसके बाद सरकार ने यह आश्वासन दिया कि संशोधित दिशानिर्देश फिलहाल केवल लड़ाकू विमानों पर लागू होते हैं। संभावित खरीदार भी उन 15 देशों के होंगे जिनके साथ जापान ने रक्षा साझेदारी सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।

हमले से पहले आतंकियों ने की थी तुर्किये की यात्रा

मास्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शुक्रवार को एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था। यहां चार आतंकियों ने एक कॉन्सर्ट हॉल में घुसकर ताबड़तोड़ गोलीबारी बरसाई थीं, जिसमें कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई, जबकि 150 से ज्यादा घायल हैं। अब इस घटना को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में तुर्किये के सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से एक चौंकाने वाला दावा किया है। बताया गया कि मॉस्को में हमला करने से पहले सभी बंदूकधारी तुर्किये गए थे।

तुर्किये के सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बंदूकधारी अपने रूसी निवास परमिट को रिन्यू कराने उसी सप्ताह कुछ समय के लिए तुर्किये गए थे। हालांकि, इन आतंकियों ने वहां कोई हंगामा नहीं किया था।

कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं था : तुर्किये के सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि हमलावरों के खिलाफ उस समय कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं था, इसलिए उन्हें तुर्किये और रूस के बीच यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा, यह भी पता चला कि हमलावर कई समय से मॉस्को में रह रहे थे। दो हमलावर दो मार्च 2024 को तुर्किये से रवाना होकर मॉस्को गए। बाद में पता चला कि मॉस्को में इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने हमला किया, जिसमें 143 से अधिक की मौत और दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

चार बंदूकधारी गिरफ्तार : इस घटना के बाद मॉस्को में हाई अलर्ट जारी करते हुए रूस की सुरक्षा एजेंसी और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया। अब तक इस घटना पर 11 संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

'हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं'

यूएन में आए प्रस्ताव पर अमेरिका को क्यों देनी पड़ी इस्त्राइल को सफाई

वाशिंगटन। अमेरिका और इस्त्राइल के रिश्तों में खटास नजर आ रही है। दरअसल, इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपना अमेरिका का दौरा रद्द कर दिया है। इस पर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिलता प्रतीत होता है कि अमेरिका बदल गया है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है।

तत्काल युद्धविराम को लेकर प्रस्ताव पारित होने पर गुस्से में इस्त्राइल : गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा और इस्त्राइल के बीच तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव पारित हुआ था। इस प्रस्ताव में सात अक्तूबर को हमास द्वारा अचानक से इस्त्राइस पर हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की भी मांग की गई है। अमेरिका इस प्रस्ताव पर वोटिंग से दूर रहा। अमेरिका के इस रुख को लेकर इस्त्राइल ने नाराजगी जताई। नेतन्याहू ने सोमवार को अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा रद्द करने का एलान किया। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि दोनों देशों के बीच खटास आ गई है।

हमारी नीति में किसी बदलाव का प्रतिनिधित्व नहीं करता : जब किर्बी से पूछा गया कि नेतन्याहू के दौरे के रद्द करने पर राष्ट्रपति जो बाइडन की क्या प्रतिक्रिया है, तो उन्होंने कहा, 'हम इससे हैरान हैं। कुछ बातें सामने रखने की जरूरत है और वास्तव में इन्हें फिर से दोहराना चाहिए। सबसे पहली बात यह गैर बाध्यकारी संकल्प है। इसलिए इस्त्राइल या हमास के साथ चल रही लड़ाई पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। दूसरी बात यह है कि जैसा मैंने शुरू में ही कहा था कि यह हमारी नीति में किसी बदलाव का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।'

हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या : उन्होंने आगे कहा, 'हम यहां क्या करना चाहते हैं यह हम पहले ही कह चुके हैं और उसी के साथ खड़े हुए हैं। हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है।

इस्त्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिला है कि यहां कुछ बदलाव हुआ है, जबकि ऐसा नहीं किया गया है। हालांकि, हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है।

अमेरिका ने साइबर जासूसी को लेकर उठाया सख्त कदम

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीनी सरकार पर एक व्यापक साइबर जासूसी अभियान चलाने का आरोप लगाया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन की साइबर जासूसी से वैश्विक स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इसने अमेरिकी अधिकारियों, राजनेताओं और कई अन्य लोगों को निशाना बनाया है। इस कारण चीनी कंपनी एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट 31 (एपीटी 31) पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक यूएस सरकार पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) से जुड़े इस एपीटी 31 के खिलाफ कई कार्रवाई कर रही है। इसके जाल में अब तक अमेरिकी अधिकारियों, राजनेताओं सहित कई लोग फंस चुके हैं। साथ ही विभिन्न अमेरिकी आर्थिक और रक्षा संस्थाओं और अधिकारियों, विदेशी लोकतंत्र कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों को भी निशाना बना चुका है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने सात पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) हैकरों के खिलाफ आपराधिक आरोपों की घोषणा की है। इसके तहत कई लोगों और संगठनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने इन चीनी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध : विभाग ने बताया कि उन्होंने दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों में उनकी भूमिका के लिए झाओ, नी और वुहान जियाओरुइज़ी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी, लिमिटेड (वुहान एक्सआरजेड) पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इसके अलावा, अमेरिकी न्याय विभाग ने समूह और प्रतिवादियों के बारे में जानकारी प्रदान करने वालों के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का इनाम भी दिया।

विदेश विभाग ने आगे बताया, 'अमेरिकी विदेश विभाग का रिवार्ड्स फॉर जस्टिस कार्यक्रम (आरएफजे) समूह और प्रतिवादियों के बारे में जानकारी के लिए 10 मिलियन डॉलर तक का इनाम दे रहा है। बता दें कि आरएफजे कार्यक्रम ऐसे किसी भी व्यक्ति के बारे में जानकारी मांगता है, जो किसी विदेशी सरकार के निर्देश पर या उसके नियंत्रण में कार्य करते हुए, कंप्यूटर धोखाधड़ी और दुरुपयोग अधिनियम (सीएफएए) का उल्लंघन करते हुए कुछ दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों में संलग्न होता है।' इन पीआरसी राज्य-प्रायोजित अभिनेताओं की ऐसी गतिविधियों ने अमेरिकी रक्षा और सरकारी क्षेत्रों और अमेरिकी व्यवसायों की बौद्धिक संपदा और व्यापार रहस्यों को लक्षित किया है।

भारत ने वैश्विक मंच पर किया महिला सशक्तिकरण का नेतृत्व

न्यूयॉर्क। महिला सशक्तिकरण को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीयों के स्थाई मिशन द्वारा बताया गया कि न्यूयॉर्क में महिलाओं की स्थिति पर 68वें आयोग में भारत द्वारा मजबूत पक्ष रखा गया।

रुचिरा कंबोज ने रखा मजबूत पक्ष : महिला सशक्तिकरण को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क स्थित भारतीयों के स्थाई मिशन द्वारा बताया गया कि न्यूयॉर्क में महिलाओं की स्थिति पर 68वें आयोग में भारत द्वारा अपना पक्ष रखा गया।

भारत ने की सशक्त पहल : न्यूयॉर्क स्थित भारतीयों के स्थायी मिशन द्वारा ट्वीट किया गया कि न्यूयॉर्क में महिलाओं की स्थिति पर 68वें आयोग में भारत ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। भारत द्वारा पैनल में अपने विचार रखे गए और सशक्त पहल की गई। इस वैश्विक मंच पर भारत ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण का नेतृत्व किया। आगे बताया गया है कि इस बार भारत द्वारा लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण पर प्रस्तुति दी गई। इस तरह भारत ने महिला सशक्तिकरण को लेकर वैश्विक मंच पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

पर्यटकों के पसंदीदा स्थल

घूमने का अपना अलग ही मजा होता है। इस महीने में न तो ज्यादा ठंड होती है और न ही गर्मी। बसंती बयार रोम-रोम को प्रफुल्लित करती है। इस महीने में देश के कई ऐसे राज्य हैं, जहां का मौसम सुहावना हो जाता है। ऐसे में यदि आप अपने परिवार या दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं और आपको समझ में नहीं आ रहा है तो यह मुश्किल हम हल कर देते हैं। हम आपको भारत में कुछ ऐसी खूबसूरत और अद्भुत जगहों के बारे में बताते हैं, जहां मार्च के महीने में घूमना यादगार बन जाएगा।

लेह-लद्दाख

लेह-लद्दाख का नाम हमेशा खूबसूरत जगहों की टॉप लिस्ट में रहता है। अगर मार्च में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यह जगह आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकती है। यहां बर्फ से ढके पहाड़, मशहूर मठ और खूबसूरत नजारे पर्यटकों को अपनी तरफ बरबस खींच लाते हैं। मार्च में यहां न तो ज्यादा गर्मी होती है और न ही ज्यादा सर्दी, इसलिए पर्यटक यहां बड़ी संख्या में आते हैं। यहां घूमने लायक जगहों में पैंगोंग झील, मैग्नेटकि हलि, त्सो मोरीरी झील और लेह पैलेस शामलि है।

कुर्ग

मार्च के महीने में कुर्ग घूमने के लिए बेस्ट जगह मानी जाती है। यह कर्नाटक राज्य का खूबसूरत हिल स्टेशन है। इस महीने यहां के मसाले, कॉफी और चाय के बागान खिल उठते हैं। हर तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। भारत के स्कॉटलैंड नाम से मशहूर कुर्ग प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत के समान है। पहाड़ियों पर दिखती धुंध, विदेश में घूमने जैसी जगहों का अनुभव करा देती है। अभय जलप्रपात, इरुपु जलप्रपात और मदिकेरी किला, यहां देखने लायक जगहों में शामिल है।

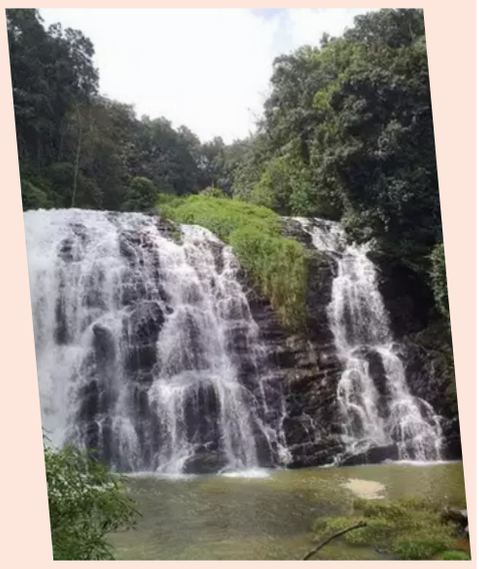

ऋषिकेश

मार्च में घूमने की बात हो और ऋषिकेश का नाम ना आए ऐसा हो ही नहीं सकता है। इस महीने में ऋषिकेश में दुनिया भर से पर्यटक अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में भाग लेने के लिए आते हैं। एडवेंचर प्रेमियों के लिए यह जगह शानदार है, यहां रिवर राफ्टिंग से लेकर, बंजी जंपिंग समेत कई रोमांचक एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। साथ ही धार्मिक प्रेमियों लिए यहां लक्ष्मण झूला, राम झूला, वशिष्ठ गुफा, त्रिवेणी घाट और बीटल्स आश्रम मौजूद है।

माउंट आबू

राजस्थान के अरावली रेंज में स्थित माउंट आबू एक लोकप्रिय हिल स्टेशन है। माउंट आबू को 'रेगिस्तान में नखलिस्तान' भी कहा जाता है। मार्च में आप माउंट आबू घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां सुहावने मौसम के अलावा, गणगौर उत्सव को देखने और उसमें भाग लेने का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां की नक्की झील, सनसेट पॉइंट, आधार देवी मंदिर, अचलगढ़ किला, हनीमून पॉइंट, गौमुख मंदिर और बेलीज वॉक को आप घूमने की लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

शिलांग

मार्च के महीने में घूमने के लिए शिलांग एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह मेघालय की राजधानी होने के साथ एक फेमस हिल स्टेशन है। इस जगह को पूर्व का स्काटलैंड माना जाता है। यह जगह उन लोगों के लिए स्वर्ग है जो शांति और सुकून पसंद करते हैं। मार्च के महीने में यहां की सुंदरता देखने लायक होती है। यहां पर वाटरफॉल, ट्रैंकिंग, उमियम झील, हाथी झरना, डेविड स्कॉट ट्रेल, लेडी हैदरी पार्क और डॉन बॉस्को संग्रहालय घूमने का लुत्फ उठाया जा सकता है।

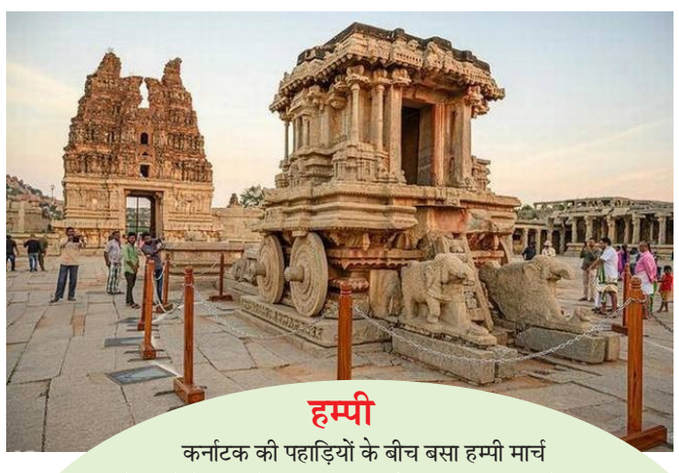

हम्पी

कर्नाटक की पहाड़ियों के बीच बसा हम्पी मार्च में घूमने के लिए बेहतरीन ऑप्शन है। हम्पी एक तरह से खुला म्यूजियम है, जहां आप एक से एक प्राचीन समृद्ध इतिहास को देख सकते हैं। इस महीने यहां का मौसम मंदिरों, महलों और अन्य खूबसूरत खंडहरों को देखने लायक बना देता है। विजयनगर साम्राज्य का विजया विट्ठल मंदिर, मतंगा हिल, विरुपाक्ष मंदिर और कमल महल यहां की देखने लायक जगहों में आती हैं।

गोवा

मार्च के महीने में यदि आप किसी मस्ती भरी जगह की तलाश में हैं तो आपको गोवा जाने का प्लान बनाना चाहिए। यहां यार-दोस्तों के साथ मस्ती के लिए सबकुछ मौजूद है। यहां के बीच, सुहाना मौसम, ऐतिहासिक इमारतें, भारत-पुर्तगाली खाना, बार जैसी कई चीजों का अनुभव आपका दिल जीत लेगा। यहां आप इस महीने राज्य के सबसे बड़े हिंदू लोक उत्सव शिग्मो, फ्लोट परेड, चित्ररथ, रोमटामेल और लोक नृत्य का आनंद उठा सकते हैं। यहां देखने लायक जगहों में कलंगुट बीच, अगुआडा किला, सिंक्वेरिम बीच और दूधसागर फॉल्स को लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

पचमढ़ी

वैसे तो मध्यप्रदेश में घूमने लायक बहुत सारी जगहें मौजूद हैं, लेकिन मार्च में पंचमढ़ी घूमने का जो मजा है वो शायद आपको किसी और जगह नहीं मिलेगा। हसीन वादियों और दिल को गुदगदाने वाली जगहों से घिरी खूबसूरत झीलें, झरने, गुफा और हरियाली के लिए यह जगह पूरे देश में प्रसिद्ध है। बात मार्च की करें तो इस समय इस हिल स्टेशन का मौसम सुहावना हो जाता है। यहां बी फाल, अप्सरा विहार, पांडव गुफा, जमुना जल प्रपात और सनसेट पॉइंट जैसी खूबसूरत जगहों का आनंद उठाया जा सकता है।

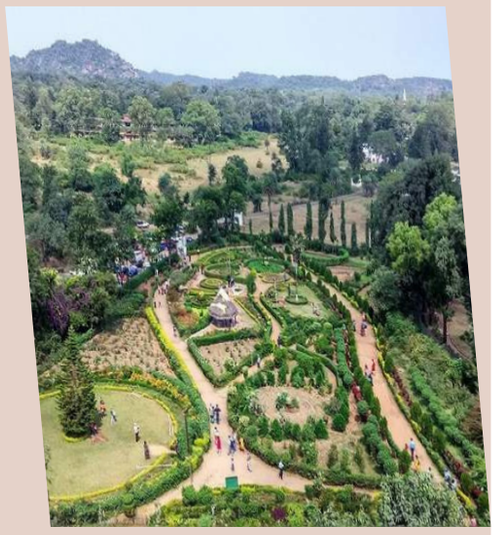

टहलना

स्वास्थ्य के लिए 'अमृत'

गर्मी का महीना हो या ठंड का, अपने स्वास्थ्य के प्रति अलर्ट रहने वाले लोग सुबह-शाम आपको अक्सर पार्कों में टहलते दिखाई दे जाएंगे। इसमें कई लोगों के पास हाथ में एक डिवाइस बंधी हुई देखी जा सकती है, टहलने के दौरान उनकी निगाहें बार-बार उस डिवाइस को देखती रहती हैं। इस डिवाइस का नाम है 'पीडोमीटर'। इसका काम होता है कदम की गिनती करना। आमतौर पर पीडोमीटर में 10 हजार कदम की सेटिंग होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि प्रतिदिन 10 हजार कदम चलने से मनुष्य का दिल, दिमाग और शरीर सब स्वस्थ्य रहते हैं। कुछ लोग 10 हजार कदम का नाम सुनते ही टहलने से पीछे हट जाते हैं, लेकिन स्वास्थ्य पर आए एक शोध ने इस समस्या को हल कर दिया है। जर्नल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज में छपे एक शोध के अनुसार, अगर प्रतिदिन कुछ हजार कदम चला जाए या थोड़ी-बहुत एक्सरसाइज की जाए तो मनुष्य का दिमाग स्वस्थ रह सकता है। दिमाग ढंग से काम करता है और डिमेंशिया या अल्जाइमर्स का खतरा दूर-दूर तक नहीं रहता है।

रोज 4 हजार कदम चलना काफी

शोध के अनुसार, प्रतिदिन मॉडरेट एक्सरसाइज (सप्ताह में कम से कम 150 मिनट एक्सरसाइज) करने का दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके लिए प्रतिदिन 4 हजार कदम चलना भी पर्याप्त माना जाता है। जो लोग 10 हजार कदम का लक्ष्य देखकर घबरा जाते थे और पीछे हट जाते थे, उनके लिए इस शोध के बाद नया लक्ष्य हासिल करना थोड़ा आसान होगा।

दिमाग को मिलती है ताकत

नोएडा के फोर्टिस अस्पताल के डॉ. विशाल गुप्ता के अनुसार, शारीरिक गतिविधियों से दिमाग में ब्लड का फ्लो बढ़ता है। इसके चलते मस्तिष्क में ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचती है यानी उसे ज्यादा ताकत मिलती है। इससे संज्ञानात्मक विकास भी बेहतर होता है। डॉक्टर बताते हैं कि मस्तिष्क में ब्लड फ्लो अच्छा होने से न्यूरोट्रांसमीटर और मस्तिष्क के विकास से जुड़े केमिकल्स ज्यादा रिलीज होते हैं। जिसका फायदा यह मिलता है कि नए न्यूरॉन्स जल्दी विकसित होते हैं और दिमाग की कनेक्टिविटी भी बढ़ती है। व्यायाम करने से जहां दिमाग की सूजन कम होती है, वहीं मूड भी अच्छा रहता है।

डिमेंशिया का खतरा

मस्तिष्क का आकार मनुष्य की सेहत के बारे में बहुत कुछ बता देता है। अगर मस्तिष्क का आकार घट रहा है तो इसे डिमेंशिया का शुरुआती लक्षण माना जा सकता है। मस्तिष्क का आकार कायम रहना या बढ़ना न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव है। यह अच्छी सेहत की निशानी है। प्रतिदिन आधे घंटे टहलकर भी दिमाग की सेहत अच्छी रह सकती है। टहलने से दिमाग के फायदे तो होते ही हैं, इससे शरीर का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहता है।

इम्युनिटी सिस्टम होता है मजबूत

स्वस्थ रहने के लिए इम्यून सिस्टम यानी प्रतिरक्षा प्रणाली का मजबूत होना बेहद आवश्यक होता है। अगर हेल्दी डाइट के साथ रोज सुबह टहल भी रहे हैं तो यह सोने में सुहागा जैसा है, इससे इम्युनिटी बहुत अच्छी बनी रहती है। सुबह की ताजी हवा में 20 से 30 मिनट टहलने से संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की क्षमता में भी बढ़ोत्तरी होती है।

तनाव होता है कम

डॉ. विशाल गुप्ता बताते हैं कि प्रतिदिन आधे घंटे टहलने से तनाव और डिप्रेशन का लेवल घटता है। इस दौरान शरीर में एंडोर्फिन हॉर्मोन का लेवल बढ़ता है, जिससे तनाव कम होता है। इसके अलावा, प्रतिदिन व्यायाम करने और हेल्दी खाना खाने का हमारे इम्युनिटी सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। हमारा श्वसन तंत्र मजबूत होता है और लंग्स अच्छी तरह से काम करते हैं।

हार्ट अटैक का खतरा कम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि प्रतिदिन टहलने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। इससे हृदय और रक्त वाहिकाओं का स्वास्थ्य अच्छा होता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक्स के जोखिम कम हो जाते हैं। इसके अलावा रोज टहलने से ढेर सारी कैलोरी बर्न की जा सकती है। इससे बॉडी वेट नियंत्रण में रहता है। जिससे कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

मोबाइल बना खतरा

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोबाइल फोन हर किसी की जरूरत बन गया है। लेकिन, मोबाइल फोन लोगों के जीवन को जितना आसान बना रहा है, उतना ही समस्या भी पैदा कर रहा है। खासकर, युवा वर्ग मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल के चलते नींद की कमी से जूझ रहे हैं। उनकी नींद का श्रेष्ठतम समय मोबाइल और लैपटॉप में चला जा रहा है। सोने से पहले एक बार नोटिफिकेशन देखने के चक्कर में कब 2 से 3 घंटे बीत जाता है पता ही नहीं चलता है। एक स्टडी के अनुसार, अगर सोने से ठीक पहले तक मोबाइल फोन या दूसरे गैजेट्स इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसका असर आपकी नींद पर पड़ना तय है। मोबाइल और लैपटॉप से निकली ब्लू लाइट आपकी नींद खराब कर रही है। कई बार आंख बंद कर घंटों लेटे रहने के बाद भी नींद का कोई अता पता नहीं होता है। नींद नहीं आने का असर शरीर और दिमाग पर भी पड़ रहा है। इस मुश्किल से कैसे बचा जा सकता है, आइये जानते हैं।

मेलाटॉनिन की कमी

फोर्टिस अस्पताल के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. राहुल भार्गव के अनुसार, मेलाटॉनिन शरीर में बनने वाला एक हार्मोन है। यह सोने और जगने के साइकल को रेगुलेट करता है। मोबाइल और लैपटॉप से निकलने वाली लाइट की वजह से शरीर मेलाटॉनिन रिलीज नहीं कर पाता। अंधेरा होने पर शरीर ज्यादा मेलोटॉनिन बनाता है, जो हमारे शरीर को सोने के लिए कहता है। इसके इतर, रोशनी शरीर में मेलाटॉनिन बनना रोक देती है या कम कर देती है। यह हमें जगे रहने को कहती है। अगर मेलाटॉनिन बनने की प्रक्रिया ज्यादा प्रभावित होती है तो डिप्रेशन और क्रॉनिक पेन की समस्या हो सकती है।

नींद की कमी से बढ़ रही समस्याएं

नींद की कमी से लोगों के भीतर गुस्से और चिड़चिड़ेपन की समस्याएं देखने को मिल रही हैं। कम नींद लेने से अल्जाइमर जैसे घातक रोग का खतरा बढ़ रहा है जिसमें दिमाग नकारा हो जाता है। इसके अलावा, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। वहीं, अच्छी नींद नहीं लेने से हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। दरअसल, हड्डियों में मौजूद मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ने लगता है और जोड़ों के दर्द की समस्या पैदा हो जाती है।

अच्छी नींद इसलिए है जरूरी

अगर आपकी नींद पूरी नहीं हुई है तो इसका असर तुरंत दिखने लगता है। इसका सीधा असर हमारे मन-मस्तिष्क पर पड़ता है। दिन भर चिड़चिड़ापन हावी रहता है, काम में मन नहीं लगता है। बात-बात पर गुस्सा आता है। खुद पर से नियंत्रण कम होने लगता है। कई बार घबराहट भी होने लगती है। लगातार कम और खराब नींद का असर आपकी सेक्शुअल लाइफ पर भी पड़ता है। इसलिए रोज अच्छी, गहरी और पूरी नींद लेना आवश्यक होता है।

हार्ट अटैक के बढ़े मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि सिर्फ सोना ही काफी नहीं होता है, गहरी नींद सोना ज्यादा जरूरी होता है। इससे बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। दिमाग में नई ऊर्जा का संचार होता है। अच्छी नींद से शरीर के भीतर के अंगों की सफाई और मरम्मत होती है, जबकि नींद पूरी नहीं होने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर नहीं निकल पाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा, शरीर की कोशिकाओं को भी नुकसान होता है। जिसके चलते कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

कितने घंटे की नींद जरूरी

आयु वर्ग	जरूरी घंटे
0 से 3 महीने का बच्चा	14 से 17 घंटे
4 से 12 महीने का बच्चा	12 से 16 घंटे
1 से 2 साल का बच्चा	11 से 14 घंटे
3 से 5 साल का बच्चा	10 से 13 घंटे
6 से 9 साल का बच्चा	9 से 12 घंटे
14 से 17 साल का बच्चा	8 से 10 घंटे
18 से 60 वर्ष आयुवर्ग	7 से 9 घंटे
65 साल से ज्यादा	7-8 घंटे

स्त्रोत:नेशनल स्लीप फाउंडेशन

लोकसभा चुनाव में अतुल गर्ग को मजबूती से लड़ाने के लिए भाजपा कार्यालय पर बैठक आयोजित

महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा व पदाधिकारियों ने किया गाजियाबाद सांसद प्रत्याशी अतुल गर्ग का स्वागत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद में भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के कार्यक्रम में आगमन की तैयारियों के बाबत भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया। कार्ययोजना बैठक में गाजियाबाद से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग भी पहुंचे । उनके कार्यालय पर प्रथम आगम पर पुष्प वर्षा के साथ कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत अभिनंदन किया बैठक में पहुंचने पर सभी की ओर से भाजपा अध्यक्ष संजीव शर्मा ने पटका पहनाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। बैठक में महानगर पदाधिकारी मंडल के अध्यक्ष और मंडल प्रभारी सभी से अपने अपने क्षेत्र के डॉक्टर इंजीनियर सीए, व्यापारी आदि की सूची के बाबत गहन चर्चा वार्ता की गई। कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठक में व्यवस्थाओं का आवंटन भी किया गया। जिसमें महानगर पदाधिकारी मोर्चा एवं मंडल के प्रमुख कार्यकर्ताओं को कार्यभार सोपा गया। संजीव शर्मा ने बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को बताया कि सम्मेलन में कोई भी बिना पास के एंट्री नहीं होगी और सभी को 2:30 बजे से पहले ही प्रवेश करना होगा। लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं के साथ परिचय करते हुए अपने संबोधन में कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने आप को भाजपा का प्रत्याशी अतुल गर्ग समझे। ये टिकट कार्यकर्ता का सम्मान है। आपको अपने मोहल्ले अपने क्षेत्र में खड़े होकर खुद ही अतुल गर्ग बनकर चुनाव को संभालना है मतदान कराना है। बैठक में लोकसभा चुनाव संयोजक अजय शर्मा,जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान,पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान सुशील गौतम गोपाल अग्रवाल राजेश त्यागी, रनिता सिंह, बॉबी त्यागी, संदीप त्यागी, राजेन्द्र यादव, सुनील यादव, संजीव चौधरी, विनय चौधरी, मोनिका पंडिता, चमन चौहान, कुलदीप त्यागी, संजय रावत, बीएल गौतम संजय कांत शर्मा, रेनू चंदेला, भक्ति सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी सहित समस्त मोर्चा अध्यक्ष सहित सभी मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक का समापन जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ने किया।

बागपत सांसद प्रत्याशी डॉ. राजकुमार सांगवान को जिताने के लिए प्रवीण त्यागी व प्रशांत चौधरी ने दिग्गजों से किया संपर्क

घर-घर जाकर वोट मांगने के अभियान में जुटे

बागपत, करंट क्राइम। लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई इसी कड़ी में वीवीआईपी के चेयरमैन प्रवीण त्यागी एवं प्रशांत चौधरी ने बागपत संसदीय क्षेत्र से भाजपा आर एल डी गठबंधन के सांसद प्रत्याशी डॉक्टर राजकुमार सांगवान के साथ प्रथम बागपत की पूर्व विधायक हेमलता चौधरी, प्रशांत चौधरी (पूर्व विधायक) के निवास पर जाकर समर्थन मांगा। बागपत से भाजपा से सशक्त रूप से अपनी उम्मीदवारी रखने वाले चौधरी रामबीर सिह के निवास पर उनसे समर्थन मंगाने गये। वही पर मुरादनगर से विधायक अजीत त्यागी भी मोजूद थे उनके परिवार के व राजकुमार संगवान के बहुत पुराने संबंध है साथ में विक्रम सिह बालियान, रवींद्र सिह, सतीश मलिक, प्रवीण कुमार , संदीप कुमार व धर्मेंद्र तोमर (प्रधान सिरसिली) मनोज शर्मा आदि मोजूद थे। ग़ाज़ियाबाद के प्रमुख सामाजिक व राजनैतिक पर्सनैलिटी सुधन रावत के आवास पर गये सभी ने संगवान जी को तन मन धन से सहयोग देने का वादा किया।

गाजियाबाद से अतुल गर्ग को लोकसभा प्रत्याशी बनाकर पार्टी ने बढ़ाया कार्यकर्ताओं का मान : संजीव गुप्ता

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री व शहर विधायक अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाए जाने पर भाजपा के महानगर कोषाध्यक्ष और समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि, अतुल गर्ग जी को गाजियाबाद से लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। और भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह सम्मान की बात है। उन्होंने कहा की अतुल गर्ग जी बचपन से ही संघ के एक स्वयंसेवक रहे हैं। और वे भाजपा के दशकों पुराने कार्यकर्ता हैं।

जो हमारी विजय को ऐतिहासिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और गाजियाबाद के विकास का पहियां लगातार आगे की ओर बढ़ता रहेगा।

उनकी शालीनता और वरिष्ठता ने उन्हें शहर का एक लोकप्रिय नेता बनाया है। जिसके बूते पर हम गाजियाबाद लोकसभा को रिकार्ड मतों के साथ जितने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि आज गाजियाबाद में हमारे सफलतम महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा जी के नेतृत्व में एक मजबूत संगठन चुनाव के लिए तैयार है। जो हमारी विजय को ऐतिहासिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और गाजियाबाद के विकास का पहियां लगातार आगे की ओर बढ़ता रहेगा।

होली पर सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, सिहानी गेट थाने में केस दर्ज

गाजियाबाद। होली पर सुबह सैर के लिए निकले व्यक्ति को पुराने बस अड्डे के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल को पीआरवी ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अन्य सड़क हादसे में बागू निवासी 22 वर्षीय पप्पू की सड़क हादसे में मौत हो गई। मालीवाड़ा निवासी हिमांशु के पिता 46 वर्षीय नीरज कुमार शर्मा सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे घर से सैर के लिए निकले थे। पुराने बस अड्डे चौराहे के पास किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गए। हिमांशु की शिकायत पर सिहानी गेट थाने में केस दर्ज किया गया है। जनपद में होली पर हुए हादसों में बहरामपुर निवासी 51 वर्षीय ननकू घायल हो गए।

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा रेड फेस मैन के जग गए हैं सीट खाली होते ही विधायक बनने के जज्बात? सुना है कुछ मीडिया वालों के सामने उबल-उबल कर सामने आ रहे थे उनके जज्बात? कह रहे थे शहर विधानसभा सीट पर 42 हजार से ऊपर है यादव विरादरी का जनाधार? मुझे उम्मीद ही नहीं पूरी विश्वास है कि पार्टी करेगी मेरे नाम पर विचार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस दिन हुई अतुल जी की लोकसभा वाली घोषणा उस दिन मैं जश्न मनाने के लिए था उनके आवास पर मौजूद? मैंने देखा यहां पर महानगर उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी हद से ज्यादा खुश नजर आ रहे थे? गर्मजोशी से उनका अतुल जी से गले मिलना था इस बात का सबूत? ऐसा लग रहा था जैसे बॉबी भैया को मिल गई हो बंद ताले की चाबी? उनकी मुस्कुराहट हो रही थी बाकी समर्थकों पर बहुत ज्यादा हावी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा कमांडर और उनके दोस्त पहलवान की एक ही है बात? दोनों सोच-समझकर करा रहे थे पार्टी के कार्यकर्ताओं को दूरियों का अहसास? मगर जैसे ही हुआ अतुल जी का लोकसभा का टिकट वैसे ही दोनों दोस्त आ गए एक-दूसरे के निकट? भर-भरकर उंडेला दोनों ने एक-दूसरे पर गुलाल? अतुल जी के आवास पर दोनों की एक साथ मौजूदगी बनी हुई थी इस बात की मिसाल?

क्यों कहा कहने वाले ने कि कुछ ऐसी ही खुशी का खोड़ा वाले योगेश भाटी के चेहरे पर भी दिख रहा था नजारा, उनका चेहरा इतना चमका हुआ था? कोई नहीं देख पाएगा ऐसी चमक अब दुबारा? भर-भरकर आ रहे थे उनके दिल के बाहर जज्बात? कह रहे थे ऊपर वाले के घर में देर नहीं है? भले ही देर से मिले पर मिलता तो है इंसाफ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि आज हम आपको बता रहे हैं भगवागढ़ के उस महान मंत्री का नाम जिन्होंने रोज बनाया हुआ था टिकट को लेकर रोजाना पूजा-पाठ वाला प्रोग्राम? एक घंटा रोजाना देते थे वो टिकट वाली समस्या को अंजाम? अब हो गई है टिकट की घोषणा? अब उनके चेहरे को देखकर समझ आ जाएगा कि वो किसके लिए इतने पूजा-पाठ कर रहे थे श्रीमान। सब कुछ साबित कर देगी उनके चेहरे की मुस्कान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि अतुल गर्ग की टिकट की घोषणा होने से हो गए हैं बिरादरी वाले चेहरे बहुत ज्यादा हैरान? घोषणा क्यों और कैसे हो गई उनको ये समझ ही नहीं आ रहा है श्रीमान? मगर उन्होंने खुद से कर लिया है एक वादा? न पहले झुके थे न अब झुकेंगे? कुछ ऐसा है उनका इरादा? नहीं जाएंगे वो बिल्कुल भी वो उनको देने के लिए बधाई? पता चल जाएगा आपको यह कौन शख्स है? क्योंकि यही एक ऐसा चेहरा होगा जो नहीं देगा लोकसभा उम्मीदवार के आसपास दिखाई?

क्यों कहा कहने वाले ने कि चाय वाले अड्डे पर किस भगवा नेता ने चला दिया होली मिलन का नया ट्रेंड? सुना है कंट्रीब्यूशन की आई बारी तो नया दांव खेल गए प्रभारी? नए ट्रेंड में वो लेकर पहुंचे अपने साथ एक नया ही फ्रेंड? कहने वाले ने कहा अब इससे आगे की कहानी सुनकर आप रह जायेंगे दंग? इसलिए हम तो रखेंगे फिलहाल बंद अपनी ही टंग?

क्यों कहा कहने वाले ने कि चौहान वाले वार्ड में मच गया है भाजपाइनो के बीच दंगल? जुबाने हो गई दावेदारी को लेकर काफी हार्ड ऑन द मंगल? देखने वाले ने बताया कि यहां तो शुरू हो गई है दिलो में चुनाव लड़ने की हसरत? चल रहा है वार्ड में कुछ ऐसा चर्चा? 3 चेहरों का बस चले तो आज ही भर दें चुनावी पर्चा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि समाजवादी त्यागी के दिल में है नदिया पार से चुनाव लड़ी मैडम त्यागी को लेकर रोष? समाजवादी त्यागी ने कहा कि टिकट भले ही कांग्रेस का था लेकिन बिरादरी को देना चाहिए था उनका साथ? अगर बिरादरी ब्रदर ही देते साथ तो वो इतने कम वोट पाकर नही होती उदास? अब देख लो बीएसपी से लेकर एसपी तक चर्चा में भी नहीं है कोई त्यागी नाम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि क्या अब सीन मे दिखेंगे मिस्टर भजन लाल डेंगला? नदिया पार वाले डेंगला संभालते हैं फूल वाले चुनावी दफ्तर का काम? इस बार लोकसभा चुनाव का दफ्तर पहले ही खुल गया है और अजय शर्मा के हाथ में है कमान? कहने वाले ने कहा कि अलग अलग टीम संभालेंगी अलग अलग काम? इसलिए यहां सिस्टम रहेगा एकदम फिट और हिट श्रीमान?

नोटः उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

पीड़ित महिला ने लगाया पुलिस पर मनमर्जी की रिपोर्ट दर्ज करने का आरोप

लोनी, करंट क्राइम। लोनी अंकुर विहार थाने की विकास नगर कॉलनी की रहने वली एक महिला ने पुलिस उपायुक्त को प्रार्थना-पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है पुलिस उपायुक्त ने महिला की शिकायत पत्र पर करवाई करने का आश्वासन दिया है। विकास नगर कॉलोनी की रहने वाली पिंकी पत्नी सचिन ने प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया है कि 7 मार्च को शाम 7:00 बजे वह अपने पति के साथ बाइक पर बाजार से घर वापस लौट रही थी जैसे ही दंपति जाटव चौक पहुंचे पीछे से बेवजह सादुल्लाबाद निवसी हर्ष एवं उसका सथी गाली गलौज करने लगे विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी आरोप यह भी है कि हर्ष ने अपने अन्य साथियों को फोन करके बुला लिया तथा जमकर मारपीट की जिसमें सचिन व उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए आरोप है कि 10 ,15 लोगों ने जमकर तांडव किया डंडे आदि लोहे की सरिया से वार किए पिंकी ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उसकी सोने की चेन पर्स जिसमें ढाई हजार रुपए तथा मोबाइल रियलमी कंपनी का छीन लिया और मौके से भाग गए पिंकी जैसे तैसे अंकुर विहार थाने पहुंची और अपनी घटना की जानकारी दी उसकाआरोप की पुलिस ने उसके लिखे हुए प्रार्थना पत्र के हिसाब से रिपोर्ट दर्ज नहीं की पुलिस ने अपनी मनमर्जी के आधार पर मामूली सी धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है जो कि गलत है रिपोर्ट दर्ज में केवल मामूली सी मारपीट की धारा लगाई है। जबकि हमलावरों ने जमकर मारपीट की उसके पति का पैर फैक्चर हो गया जिसकी वीडियो पुलिस को भी दिखाई गई है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई पिंकी ने पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट न होकर डीसीपी से न्याय की गुहार लगाई है और मुकदमा तब्दील कर घटना की सही जानकारी की धाराएं लगाकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है डीसीपी ने पिंकी के शिकायत पत्र पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रत्याशी अतुल गर्ग सर्वाधिक मतों से जीतकर रिकार्ड दर्ज कराएंगे डॉ.अतुल जैन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आज डा. अतुल कुमार जैन महासचिव टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गाजियाबाद की लोकसभा सीट से अतुल गर्ग को भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी घोषित होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ.अतुल कुमार जैन ने और सभी उपस्थित प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने संसदीय क्षेत्र गाजियाबाद के लिए अतुल गर्ग के नाम का चयन होना बड़े ही गर्व की बात बताया है, और आशा व्यक्त की है कि पूर्व की भांति ही गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अतुल गर्ग रिकॉर्ड मतों से जीतकर भारतवर्ष में अधिकतम मतों से जीतने वाले संसद के रूप में आएंगे । साथ ही अतुल गर्ग को भारतीय जनता पार्टी का लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर संगठन और शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया है पूरे क्षेत्र में इस से खुशी की लहर है। अतुल गर्ग को पुनः हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी से अपील है कि शत प्रतिशत मतदान करके अधिक से अधिक मतों से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अतुल गर्ग को बीजय बनाकर संसद में भेजने का कार्य करें। गाजियाबाद जनपद की सभी तकनीकी संस्थानों की ओर से अतुल गर्ग के पक्ष में पुनः आह्वान करते हैं और पूरा समर्थन करते हैं। आज टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन ऑफ़ उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि मंडल द्वारा बधाई देने वालों में डॉ.अतुल कुमार जैन,डॉ.आर. पी.चडडा, सुनील पी.गुप्ता, राकेश छारिया,नीरज गोयल,आशु गोयल, सुनील जिंदल,अनुपम गोयल, संजय बंसल, आदि उपस्थित रहे।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सियासत से अलग भी संबंधों की एक विरासत अतुल गर्ग के पास है। कुछ पुराने दोस्त हैं कुछ पुराने संबंध है जो कुछ खास है। रेलवे से रिटायर्ड विजय शर्मा का सियासत से कोई संबंध नहीं है लेकिन अतुल गर्ग से उनका आत्मीय संबंध है। विजय शर्मा ने अपने पुत्र गौरव शर्मा के साथ अपनी खुशी को फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।